RNI NO. MPHIN/2016/69135

दैनिक
लोकप्रदेश

वर्ष-10 | अंक-114 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 14 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

लाड़ली बहनों के खातों में पहुंचे 1835 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले-

प्रदेश में लाखों महिलाओं को स्वरोजगार कृषि और पशुपालन से जोड़ा गया

भोपाल। डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में आयोजित कार्यक्रम में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किस्त जारी की। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 महिलाओं के बैंक खातों में 1835 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की राशि ट्रांसफर की। इसके साथ ही उन्होंने 296 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 40 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पुष्पवर्षा की, गौ-पूजन किया और विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने लाठी कला दिखा रहे एक बच्चे को गोद में लेकर दुलार किया और स्वयं भी लाठी घुमाकर लोगों का उत्साह बढ़ाया।

लोगों से डीजल-पेट्रोल का संयतित उपयोग करने की अपील

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम की है और मंत्रियों से भी ऐसा करने को कहा गया है। उन्होंने लोगों से डीजल, पेट्रोल और संसाधनों के संयमित उपयोग की अपील की। जिसमें 215.65 करोड़ लागत के 17 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 80.68 करोड़ की लागत से 23 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है। क्षेत्र को 7 नए पुलों के भूमि-पूजन की सौगात भी मिली है।

नरसिंहपुर जिला अद्भुत है

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान नरसिंह के नाम पर बसा नरसिंहपुर जिला अद्भुत है। यहां के विकास कार्यों को देखकर लगता है कि कहीं नरसिंहपुर को किसी की नजर न लग जाए। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है।

महिलाओं को उद्योग लगाने प्रोत्साहित कर रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को राजनीति, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सरकार लगातार अवसर दे रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लाखों महिलाओं को स्वरोजगार, कृषि और पशुपालन से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि अब महिलाएं केवल पारंपरिक कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एआई, कंप्यूटर और तकनीकी क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने किसानों के हितों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों का दाना-दाना खरीदेगी और उड़द पर 600 रुपये बोनस भी दिया जाएगा।

अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव का निधन

अस्पताल पहुंचने से पहले ही सांसें थमीं, फेफड़े में खून का थक्का जमने से कार्डिएक अरेस्ट आया

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई अमन सिंह बिष्ट उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय के मुताबिक, जब प्रतीक को लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह डाउन थी। हार्ट भी रुक चुका था। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में प्रतीक यादव के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। रिपोर्ट में बताया गया कि कार्डिएक अरेस्ट से प्रतीक की मौत हुई है। विसरा रिपोर्ट के बाद और चीजें स्पष्ट होंगी। प्रतीक का शव घर लाया गया है। अंतिम संस्कार कल, गुरुवार को लखनऊ में दोपहर 12:30 बजे पिपरा घाट पर होगा।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में कार्डिएक अरेस्ट का खुलासा

लखनऊ मेडिकल कॉलेज ने प्रतीक यादव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट जारी की है। डॉक्टरों के मुताबिक, फेफड़ों में बड़ी मात्रा में खून के थक्के जम गए थे। इसी वजह से हार्ट और फेफड़ों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे मौत हुई। शरीर के अंदरूनी अंगों को भी केमिकल जांच के लिए प्रीजर्व किया गया है। शरीर पर मिले सभी चोट के निशान मौत से पहले के बताए गए हैं।

सोना 9,000रू. और चांदी 18,000रू.महंगी

इंपोर्ट ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का असर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दी है। बुधवार को जारी इस आदेश के बाद आज यानी 13 मई को सर्राफा बाजार में सोना 9 हजार और चांदी 22 हजार रुपए महंगी हो गई है। 10 ग्राम सोने का भाव 1.60 लाख रुपए और 1 किलो चांदी का भाव 2.87 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है।

विदेश से सोना लाने पर अब कितना टैक्स?

शुल्क का नाम	पुरानी व्यवस्था		नई संशोधित व्यवस्था
बेसिक कस्टम ड्यूटी (BCD)	5%	↗	10%
एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (AIDC)	1%	↗	5%
कुल सीमा शुल्क (BCD + AIDC)	6%	↗	15%
इंटीग्रेटेड जीएसटी (IGST)	3%	=	3%
IGST सहित प्रभावी आयात शुल्क	9.18%	↗	18.45%

टैक्स बढ़ने से तस्करी बढ़ने की संभावना

वहीं, इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि टैक्स बढ़ने से तस्करी बढ़ सकती है। इससे पहले जब ड्यूटी कम की गई थी, तब स्मगलिंग में कमी आई थी।

मणिपुर में 3 नेताओं की गोली मारकर हत्या

कांगपोकपी जिले में वारदात के बाद दहशत-तनाव, गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-2 बंद किया

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को थाडौ बैपटिस्ट एसोसिएशन के तीन चर्च नेताओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 5 अन्य लोग घायल हुए हैं। हमला हथियारबंद अज्ञात लोगों ने घात लगाकर किया। हमले के बाद कांगपोकपी और आसपास के कुकी-जो बहुल इलाकों में तनाव फैल गया। वारदात से गुस्साए लोगों ने पत्थर लकड़ियां लगाकर नेशनल हाईवे-2 बंद कर दिया गया। मणिपुर को नागालैंड और देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला अहम मार्ग है। मृतकों में मणिपुर बैपटिस्ट कन्वेंशन के पूर्व महासचिव रेव. वी. सितल्होउ शामिल हैं। अन्य दो मृतकों की पहचान रेव. वी. कैगौलुन और पास्टर पाओगौलेन के रूप में हुई है।

मोदी कैबिनेट के निर्णय

खरीफ की 14 फसलों पर बढ़ाई एमएसपी

नई दिल्ली। सरकार ने वर्ष 2026-27 के विपणन सत्र के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि सूरजमुखी के बीज (622रू. प्रति क्विंटल) के लिए, उसके बाद कपास (557रू. प्रति क्विंटल), नाइजरसीड (515 रू. प्रति क्विंटल) और तिल (500रू. प्रति क्विंटल) के लिए अनुशंसित की गई है।

गैसीकरण की परियोजना के लिए 37,500 करोड़ मंजूर

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 37,500 करोड़ रुपये से कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने की एक योजना को भी मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मोदी कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, कोयला गैसीकरण का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। गैस की आवश्यकता और भू-राजनीतिक स्थिति के अनुसार आत्मनिर्भर कैसे बनें? उन्होंने कहा, भारत में कोयले का प्रचुर भंडार है। अगले 200 वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत के पास पर्याप्त कोयला है। तो क्या हम उस कोयले का उपयोग करके गैस का उत्पादन कर सकते हैं?

नीट पेपर लीक में मप्र कनेक्शन!

सीहोर की यूनिवर्सिटी का नाम आते ही मचा बवाल, आरोपी गिरफ्तार

सीहोर, एजेंसी

देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 में कथित पेपर लीक का दाग अब मध्य प्रदेश के सीहोर तक पहुंच गया है। लाखों छात्रों के सपनों को झकझोर देने वाले इस सनसनीखेज मामले में राजस्थान पुलिस ने महाराष्ट्र के नाशिक से एक आरोपी छात्र शुभम खैरनार को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी का संबंध सीहोर स्थित श्री सत्यसाई यूनिवर्सिटी से रहा है। इस खुलासे के बाद शिक्षा जगत में हड़कंप मच गया है और पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

बड़ा खुलासा: 2 भाइयों ने 30 लाख में डॉक्टर से खरीदा था पेपर

राजस्थान के सीकर से जुड़े नीट 2026 पेपर लीक मामले में जांच एजेंसियों को लगातार बड़े खुलासे मिल रहे हैं। जांच में सामने आया है कि यह पूरा नेटवर्क हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड तक फैला हुआ था। सूत्रों के मुताबिक जांच में पता चला है कि गुरुग्राम के एक डॉक्टर से जमवारामगढ़ निवासी दो भाई मांगीलाल बिवाल और दिनेश बिवाल ने 26 और 27 अप्रैल को करीब 30 लाख रुपये में कथित तौर पर नीट का पेपर खरीदा था। इसके बाद दिनेश बिवाल ने यह पेपर

फ्लोर टेस्ट में थलापति को मिली विजय

टीवीके को मिला 144 विधायकों का समर्थन, भाजपा-पीएमके का वॉकआउट

चेन्नई। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने विधानसभा में बहुमत साबित कर दिया है। बुधवार को हुए विश्वास मत में मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार को 144 विधायकों का समर्थन मिला। 234 सदस्यीय सदन में 22 विधायकों ने सरकार के खिलाफ मतदान किया, जबकि पांच सदस्य वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

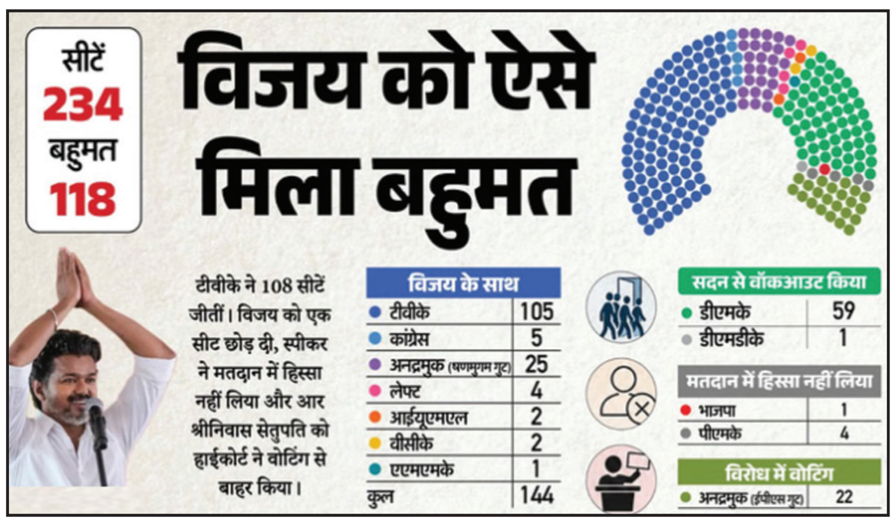

एआईएडीएमके के एक गुट ने किया समर्थन किया

इसके अलावा, एआईएडीएमके के विधायकों के एक वर्ग, जिनमें से लगभग 30 विधायक वरिष्ठ नेता एसपी वेलुमणि और सीवे शनमुगम के नेतृत्व में हैं और पार्टी प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी के विरोधी हैं, ने सरकार को समर्थन देने की घोषणा की है। पलानीस्वामी के प्रति निष्ठा रखने वाले एआईएडीएमके विधायकों ने कहा है कि वे सरकार के खिलाफ मतदान करेंगे और चेतावनी दी है कि फरमान के खिलाफ जाने वाले पार्टी विधायकों पर दलबदल विरोधी कानून लागू होगा। फ्लोर टेस्ट के दौरान कई विपक्षी और सहयोगी दलों ने खुलकर टीवीके सरकार को समर्थन देने का एलान किया। कांग्रेस ने विधानसभा में विश्वास मत के दौरान विजय सरकार का समर्थन करने की घोषणा की। वहीं सीपीआईएम ने भी सदन में टीवीके सरकार के पक्ष में खड़े होने की बात कही।

बड़ा सबूत — वैज्ञानिकों ने गंगा-यमुना के बीच जमीन के अंदर 4-5 किलोमीटर चौड़ी नदी की खोज की

प्रयागराज में संगम के नीचे मिली अदृश्य सरस्वती नदी

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रयागराज के संगम को सदियों से गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी के मिलन के रूप में पूजा जाता रहा है। अब वैज्ञानिकों ने इस विश्वास को मजबूत करने वाला बड़ा सबूत दिया है।

हैदराबाद के सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिकों ने एडवांस तकनीक से पता लगाया है कि गंगा और यमुना के बीच जमीन के अंदर एक विशाल प्राचीन नदी बहती थी। यह खोज संगम की पौराणिक कहानी को वैज्ञानिक आधार दे रही है। एनजीआरआई के वैज्ञानिकों ने एयरबोर्न जियोफिजिकल तकनीक (हेलीकॉप्टर से सर्वे) और कन्फर्मेटरी ड्रिलिंग (बोरिंग) का इस्तेमाल किया। डॉ. सुबाष चंद्रा की टीम गंगा-यमुना दोआब क्षेत्र में 10-15 मीटर नीचे एक बड़ी नदी की घाटी का पता लगाया। उन्होंने कहा कि यह खोज पूरी तरह पुष्ट है। हमने ड्रिलिंग कर फिजिकल प्रूफ हासिल कर लिए हैं । यह जमीन के नीचे दबी हुई नदी यानी पेलियो चैनल 4 से 5 किलोमीटर चौड़ा है, जो गंगा और यमुना जितना बड़ा है। इसकी गहराई और आधार स्तर दोनों नदियों के समान है, जो साबित करता है कि यह कोई अलग नदी थी, न कि गंगा या यमुना का पुराना रास्ता। नदी में घुमावदार पैटर्न भी देखे गए, जो बताते हैं कि यह गंगा-यमुना के साथ-साथ बहती थी। शुरुआत में 45 किलोमीटर लंबाई का पता चला, बाद में नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के सहयोग से इसे कानपुर तक बढ़ाकर 200 किलोमीटर कर दिया गया। (शेष पृष्ठ 8 पर)

इस तस्वीर में जो काली लाइन दिख रही है वही है प्राचीन नदी

भूजल संकट के लिए बड़ी उम्मीद

गंगा के मैदान में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्राचीन नदी चैनल को रिचार्ज करके बारिश का पानी और सतही पानी को भूमिगत किया जा सकता है। इससे गर्मियों में नदियों में पानी बढ़ेगा और भूजल की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। यह खोज जल प्रबंधन, औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण और भूजल सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस दबी हुई नदीं की लोकेशन और आकार पौराणिक सरस्वती नदी के वर्णन से काफी मेल खाता है। यह खोज इसलिए खास है क्योंकि यह नदी गंगा और यमुना जितनी बड़ी है और संगम के पास स्थित है। इससे पहले भी पेलियो चैनल मिले हैं, लेकिन इतना बड़ा, निरंतर और संगम के करीब यह पहली बार मिला है।

संगम की पूरी कहानी सामने आई

प्रयागराज संगम अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं रहा। यह भूवैज्ञानिक इतिहास और आधुनिक विज्ञान का भी संगम बन गया है। एनजीआरआई की यह खोज साबित करती है कि गंगा और यमुना के साथ एक तीसरी बड़ी नदी भी यहां बहती थी, जो समय के साथ जमीन के अंदर दब गई। यह खोज जल संकट से जूझ रहे क्षेत्र के लिए नई उम्मीद जगाती है। आगे के अध्ययन और रिचार्ज प्रोजेक्ट से भूजल बढ़ाने और नदियों को जीवंत रखने में मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि डेटा, ड्रिलिंग और खोज के जरिए संगम की पूरी कहानी अब धीरे-धीरे सामने आ रही है।

ई-वाहन शामिल होंगे...

देशवासियों से अपील के बाद मोदी ने अपने काफिले का आकार घटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया है। यह कदम उनकी हालिया घरेलू यात्रा के दौरान लागू किया गया। वाहनों की संख्या में कमी की गई है। लेकिन एसपीजी प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखा गया है। हैदराबाद में दिए गए उनके भाषण के तुरंत बाद गुजरात और असम में भी काफिले का आकार घटा दिया गया था। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा है कि जहां संभव हो, उनके काफिले में इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल किया जाए, लेकिन इसके लिए नए वाहन नहीं खरीदे जाएं। खर्चों में कटौती का यह अभियान अब भाजपा शासित राज्यों में दिखाई दे रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अन्य नेताओं ने भी अपने काफिलों में वाहनों की संख्या घटना का निर्णय लिया है। यह कदम प्रधानमंत्री की उस व्यापक अपील का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने अनावश्यक यात्रा कम करने और राष्ट्रीय संसाधनों की बचत पर जोर दिया था। ईरान युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट और वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने देश से मिलकर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और महंगाई के दबाव का सामना करने की अपील की थी।

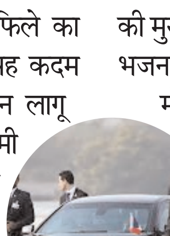

फॉर्म फीस से हजारों करोड़ की कमाई, बदले में पेपर लीक और बर्बाद भविष्य : पुष्पेंद्र सिंह

नगर संवाददाता, सतना।

एनईईटी-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आम आदमी पार्टी मैहर जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने इसे देश की शिक्षा प्रणाली पर बड़ा कलंक बताते हुए कहा कि यह केवल एक परीक्षा रद्द होने का मामला नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के भविष्य और मेहनत के साथ हुआ बड़ा अन्याय है।

उन्होंने कहा कि 3 मई 2026 को आयोजित एनईईटी-यूजी परीक्षा में पेपर लीक और गंभीर अनियमितताओं के आरोपों के बाद परीक्षा रद्द किया जाना यह साबित करता है कि देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो चुकी है। पुष्पेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि राजस्थान एसओजी जांच में 120 से 140 प्रश्न 'गेस पेपर' से मिलते पाए गए हैं, जो गंभीर गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। इसके साथ ही व्हाट्सप्प और टेलीग्राम के जरिए प्रश्नपत्र बेचने और लाखों रुपये में सौदेबाजी की खबरें सामने आना पूरी परीक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

नगर परिषद की टीम ने दुकानदारों पर लगाया अर्थ दंड

नागौद। नगर में स्वच्छता अभियान तेज कर दिया गया है। नगर परिषद की टीम ने सड़क पर कचरा फैलाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 38 दुकानदारों पर जुर्माना लगाया। कार्रवाई लक्ष्मी बाई मार्ग, गांधी चौक, मेन मार्केट और बस स्टैंड क्षेत्र में की गई।

स्वच्छता के नाम पर बह रहा पैसा, नतीजा गंदगी पटी नालियां

नगर संवाददाता, सतना।

नगरपरिषद द्वारा स्वच्छता के नाम पर हर वर्ष करोड़ों का खर्च तों हों रहा है लेकिन वास्तविकता इससे उलट दिखाई देती है जगह जगह कचरे के ठेर के साथ सफाई के आभाव में गंदगी से पटी दुर्गन्धमारती नालियों की सफाई के लिये अच्छी खासी सफाई कर्मचारियों की फौज होने के बाद भी सफाई व्यवस्था लकवा ग्रस्त बनी रहती है।

कागजों तक सीमित हैं दवाईयां

गंदगी कीड़ो से बजबजाती नालियां सफाई के आभाव में चार से आठ महीने सडांध मारती पड़ी रहती है। सफाई के लिए तरसती नालियों में दवाई तो दूर की कौड़ी है फिनायल के लिये तरसती रहती है यह अलग बात है कि स्वच्छता के नाम पर हर वर्ष तमाम तरह की दवाइयों वा कीटनाशकों की खरीद कई लाखो की तो जाती है लेकिन उनका उपयोग कहां होता है किसी को नहीं नहीं पता।

[उद्‌घाटन] गणेश सिंह ने विकास कार्यो का किया लोकार्पण

सरिया को मिला सामुदायिक भवन हिनौती में खुला आयुष्मान आरोग्य मंदिर

नगर संवाददाता, सतना।

सांसद गणेश सिंह ने मैहर जिले के अमरपाटन और रामनगर क्षेत्र में कई विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने सरिया में 15 लाख रुपये की लागत से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया, वहीं रामनगर के हिनौती में 1 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जनता को समर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने की, जबकि जिला पंचायत सदस्य पूजा सूरज गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

सबका साथ, सबका विकास के संकल्प से बदली गांवों की तस्वीर

सरिया में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद गणेश सिंह ने कहा कि आजादी के बाद लोगों को रोटी, कपड़ा, मकान, पानी, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं देने के वादे किए गए, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इन आवश्यकताओं को गंभीरता से पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि विकास सीमित क्षेत्रों तक ही सिमट कर रह गया, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश के पिछड़े और विकास से दूर क्षेत्रों को चिन्हित कर योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य शुरू किए गए। सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत के तहत गांवों और पंचायतों तक बड़े स्तर पर बजट पहुंचाया गया। सांसद ने कहा कि पहले जनपद पंचायत स्तर पर एक करोड़ रुपये का बजट आना बड़ी बात मानी जाती थी, लेकिन अब केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद पंचायतों को करोड़ों रुपये की राशि विकास कार्यों के लिए मिल रही है। हिनौती में आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण अवसर पर सांसद ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में जल्द ही पैरामेडिकल स्टाफ की पोस्टिंग कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि कोशिश की जाएगी कि ऐसे डॉक्टरों की नियुक्ति हो जो गांव या आसपास के क्षेत्र में रहकर बेहतर सेवाएं दे सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें गांव में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। इसी सोच के तहत आधुनिक उपकरणों, दवाइयों और स्वास्थ्य सेवाओं को गांवों तक पहुंचाया जा रहा है।

ब्लास्टिंग से घरों में दरारें, समाधान करें वरना कार्रवाई के लिए रहें तैयार

हिनौती में स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम के बाद सांसद गणेश सिंह ने बघवार सीमेंट प्रबंधन के अधिकारियों के साथ बैठक कर खदान क्षेत्र में हो रही ब्लास्टिंग को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि माइंस से सटे क्षेत्रों में की जा रही ब्लास्टिंग के कारण ग्रामीणों के घरों में दरारें आ रही हैं, जिससे लोगों में भय और असंतोष का माहौल है। सांसद ने प्रबंधन को निर्देश दिए कि इस समस्या का तत्काल उचित समाधान किया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कंपनी सीएसआर मद के तहत गांवों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करे और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सीएसआर की गतिविधियां केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए। सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द कार्य शुरू नहीं किए गए तो प्रबंधन कार्रवाई के लिए तैयार रहे।

ये रहे मौजूद

एसडीएम रामनरग प्रकाश मिश्रा, तहसीलदार ललित धखै, बीएमओ आलोक अवधिया, सीईओ भारती दीक्षित, धर्मेंद्र सिंह, श्रीराज सिंह, भईयालाल कोल, कालिका पटेल, नरेन्द्र तिवारी, प्रेमचंद गुप्ता, रामावतार पाण्डेय, मोतीलाल तिवारी, अशोक मिश्रा, उमाशंकर सिंह, तेजभान बंसल, केसव बैस, शिवशंकर पटेल, शिवा द्विवेदी महेन्द्र कुशवाहा, महेश द्विवेदी, रामराज बैस, प्रकाश मिश्रा, रामकली कुशवाहा, शिवा पाल, कमलेश कुशवाहा सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

पवन मलिक फर्स्ट वाइस गवर्नर निर्वाचित

लायंस इंटरनेशनल डि. 3233-सी के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव कोरबा में सम्पन्न

नगर संवाददाता, सतना।

लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-सी के आगामी सत्र 2026-27 हेतु लायन पवन मलिक को फर्स्ट वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-सी (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) की डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस 'उत्साह' का आयोजन 9 एवं 10 मई को कोरबा में किया गया। कार्यक्रम में कांस्टीट्यूशनल एरिया लीडर पास्ट इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन जीतेन्द्र सिंह चौहान (आगरा) मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन विजय अग्रवाल (कोरबा) ने की, जबकि कॉन्फ्रेंस चेयरमैन लायन बसंत मिश्रा रहे।

लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 3233-सी, जिसमें संपूर्ण छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश के महाकौशल, विंध्य, बुंदेलखंड एवं बघेलखंड क्षेत्र शामिल हैं, के लगभग 150 क्लबों से 800 से अधिक पदाधिकारी एवं सदस्य सम्मेलन में भाग लेने हेतु कोरबा पहुंचे। चुनाव समिति के चेयरपर्सन लायन राजेंद्र तिवारी के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई। चुनाव परिणामों की घोषणा करते हुए उन्होंने बताया कि रायपुर के लायन रिपुदमन सिंह पुसरी को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, सतना के लायन पवन मलिक को फर्स्ट वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, भिलाई के लायन अनिल अग्रवाल को सेकंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर तथा कोरबा के लायन राजकुमार अग्रवाल को इंटरनेशनल डायरेक्टर (इंडोर्सी) निर्वाचित घोषित किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर सतना से सुधीर जैन, सत्येंद्र शर्मा, आलोक त्रिपाठी, शम्भू चरण दुबे, विनोद जायसवाल, अशोक जायसवाल, धर्मेंद्र सेन, अरविंद शर्मा, शैलेन्द्र त्रिपाठी, जय कुमार जैन, नितिन पारेख, सागर अग्रवाल, हरिनारायण चौरसिया, आभा चौरसिया, मंची मलिक, राजकुमारी पाण्डेय, मीनाक्षी नेमा, बिंदु श्रीवास्तव, पूजा सिंह, गीता सिंह, माया सोनी, मथुरा प्रसाद सोनी, आर.बी. नामदेव, जसविंदर सिंह भाटिया 'बब्बल', हेमंत डेनियल, राकेश मिश्रा, मुकेश जैन, जय त्रिपाठी, संजय सिंह, प्रशांत श्रीवास्तव, राजेश खत्री, नितिन नेमा, कैलाश कुमार अहिरवार, राजेन्द्र श्रीवास्तव, विजय वाधवानी, राजेश अग्रवाल, नीलेश पाठक, किशन मिश्रा, सुजीत मिश्रा एवं रवि जायसवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

लायंस लंगर में खिचड़ी प्रसाद का वितरण

सतना। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा के तहत आज मंगलवार को श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन, पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन संतोष कुमार सक्सेना, लायन कृष्ण कुमार द्विवेदी, कमल कांतपाण्डेय, प्रकाश सेन, सुकीर्त त्रिपाठी, सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी, मंदिर के पुजारी पं.जगन्नाथ महराज एवं साथी उपस्थित रहे।

पीएम की अपील से स्वदेशी उत्पादों का होगा संवर्धन : डॉ.स्वप्ना वर्मा

नगर संवाददाता, सतना।

पश्चिम एशिया में जंग के चलते पैदा हुई परिस्थितियों को ध्यान में रखकर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपील की है उससे स्वदेशी उत्पादों का संवर्धन होगा। यह कहना है प्रदेश महामंत्री, भाजपा महिला मोर्चा, मध्यप्रदेश डॉ. स्वप्ना वर्मा ने कहा कि यह एक अच्छा अवसर है कि हम विदेशी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम करें और स्वदेशी का संवर्धन करें। डॉ. वर्मा ने कहा कि हम सबको मिलकर राष्ट्र निर्माण के इस अभियान में योगदान देना चाहिए जिससे एक मजबूत, सुदृढ़ और 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना साकार हो।

उन्होंने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री ने देशवासियों से पेट्रोल, डीजल, खाद्य तेल की खपत में कटौती करने की अपील की है। उन्होंने हमें अनावश्यक वाहनों का उपयोग न करने, विदेश यात्रा में कटौती करने, दफ्तर के बजाय घर से काम करने और ऑनलाइन बैठकें आयोजित करने की सलाह दी है जिससे पेट्रोल और डीजल की बचत होगी।''

डॉ.वर्मा की संस्था मधुरिमा सेवा संस्कार फाउंडेशन स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। यह संस्था 'बीमारी मुक्त भारत' अभियान को लेकर चर्चित रही है। मधुरिमा सेवा संस्कार फाउंडेशन की संस्थापिका डॉ. स्वप्ना वर्मा ने कहा कि उनकी संस्था माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के नागरिकों से की गई अपील का स्वागत और समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि इससे आयात पर हमारी निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

चित्रकूट एनसीसी शिविर में मोहित सिंह कपूर का विशेष सम्मान

नेकी फाउंडेशन संस्था के प्रतिनिधि को भारतीय सेना एवं एनसीसी अधिकारियों ने किया सम्मानित

नगर संवाददाता, सतना।

नेकी फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य एवं शिक्षा जगत में 'फिजिक्स वाले सर' के नाम से प्रसिद्ध मोहित सिंह कपूर को एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मध्य प्रदेश 3 एमपी बटालियन विंध्य कंपनी द्वारा आयोजित चित्रकूट कैंप में एनसीसी एवं भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रदान किया गया।

शिविर के दौरान कर्नल संदीप जसपाल एवं कर्नल रौनक ने मोहित सिंह कपूर को भारतीय सेना की विशेष पुस्तक एवं डायरी भेंट कर सम्मानित किया। अधिकारियों ने उनके सामाजिक, शैक्षणिक एवं युवाओं को प्रेरित करने वाले योगदान की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में उपस्थित कैडेट्स एवं अधिकारियों ने इस सम्मान को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। शिविर का वातावरण उत्साह एवं देशभक्ति से ओतप्रोत रहा, जिससे पूरा प्रशिक्षण शिविर और अधिक यादगार एवं खुशनुमा बन गया।

उल्लेखनीय है कि मोहित सिंह कपूर इससे पूर्व भी भारतीय सेना सेवा एवं एनसीसी गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित हो चुके हैं। उनके निरंतर सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों से क्षेत्र में गौरव का वातावरण बना हुआ है।

संयुक्त ट्रेड यूनियन द्वारा श्रम कानूनों के विरोध में जलाई गई प्रतियां

नगर संवाददाता, सतना।

वर्तमान की केंद्र सरकार द्वारा एक तरफा फैसला लेते हुए श्रमिक विरोधी 4 काले कानूनों को 8 मई को लागू कर दिया गया है, ज्ञात हो कि 21 नवम्बर 2025 को 29 श्रम कानूनों को खत्म कर 4 लेबर कोड बिल लाया गया था जिसका उद्देश्य गरीब मज़दूरों के हक को पूंजीपतियों के अधीन करना था,इस लेबर कोड बिल के आने से न्यूनतम वेतन, 8 घंटे के काम,निश्चित अवधि की नौकरी, कभी भी नौकरी से निकालने जैसी समस्याएं होगी जिसके कारण गरीब मज़दूरों को अपने परिवार के भरण पोषण और भविष्य की चिंता सता रही है।सरकार ने लेबर कोड के माध्यम से मजदूरों का पाने हक को पाने के लिए हड़ताल करने जैसे हकों पर सीधा हमला किया है।

इसके विरोध में संयुक्त ट्रेड यूनियन द्वारा मंगलवार को पुष्कर्णी पार्क में विरोध प्रदर्शन किया गया एवं श्रम विरोधी प्रतियों की कॉपी भी जलाई गई । इस कार्यक्रम में एसईडीआईए से कॉम टी पी पांडे, चिराग गुप्ता, शाश्वत सिंह, अजय गुप्ता, मनोज सोदिया, उत्कर्ष पांडे, शामिल रहे वही एम पी एम एस आर यू से अध्यक्ष कॉम राकेश सिंह परिहार उपाध्यक्ष रणवीर सिंह सह सचिव विवेक यादव, जितेंद्र पांडे कोषाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी कार्यकारणी अंचल सिंह,संतोष पटेल, शुभम पांडे, संजीत कुमार, अरविंद सिंह, ऋषि राज, दीपक नागवंशी, बीरेंद्र सिंह आदि साथी शामिल थे।

लीनेस मेन क्लब ने छांछ व सत्तू का किया वितरण

नगर संवाददाता, सतना।

लीनेस मेन क्लब सतना द्वारा अध्यक्ष ली डॉ. प्रियंका मिश्रा के नेतृत्व में सेमरिया चौक स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं हेतु छाछ एवं सत्तू चीनी वितरण का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाना एवं जनसेवा की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहयोग प्रदान किया। इस सेवा कार्य में उषा बरिया का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में क्लब की समस्त सदस्यों अंजू कटारे,ऊषा बड़ेरिया पूजा गुप्ता,अंजना अग्रवाल,पूजा चतुर्वेदी,शशि अग्रवाल,साधना राय ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया।

हर वोटर को था 23 प्रत्याशियों को अपना मत देने का अधिकार

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद् चुनाव : सतना में दिखा भारी उत्साह

नगर संवाददाता, सतना।

मंगलवार को सुबह 10 बजें से मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद् चुनाव शुरू हुआ जिसमें सतना के अधिवक्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मिली जानकारी के अनुसार स्टेट बार 18 पुरूष सदस्य व पांच महिला सदस्यों को मिलाकर कुल 23 सदस्यों हेतु मतदान किया गया। जिसमें 98 पुरुष प्रत्याशी व 24 महिला प्रत्याशी चुनाव में भाग ले रहे हैं। सतना में 1970 वोट डाले जाने थे जिसके लिए 4 पोलिंग बनाई गई हैं। इस चुनाव में 122 प्रत्याशी खड़े हुए हैं । 1 वोटर अधिवक्ता 23 प्रत्याशियों को वोट कर सकता हैं।

समर्थकों ने झोंकी ताकत

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद् चुनाव के लिए प्रत्याशियों के समर्थक आखिरी समय तक पूरी ताकत झोंकते रहे और मतदान केन्द्रों के बाहर अपने -अपने प्रत्याशियों के पर्चे लेकर अधिवक्ताओं से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील करते रहे।

परिचय पत्र देखकर ही करने दिया गया मतदान

निर्वाचन कार्यालय द्वारा पूर्व में ही मतदाताओं को जानकारी दे दी गई थी कि उन्हें अपना परिचय-पत्र लाना होगा। यदि वे किसी कारणवश परिचय पत्र नहीं ला पाए हैं तो संघ अध्यक्ष और सचिव से पहचान-पत्र लाना होगा। जिसके बाद ही उन्हें मतदान करने दिया जाएगा। हालांकि जबलपुर में सभी अधिवक्तागण अपने परिचय-पत्र के साथ ही मतदान करने पहुंचे थे।

ए.के.एस. व चेतु इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच एमओयू

नगर संवाददाता, सतना।

एकेएस विश्वविद्यालय, सतना और नोएडा स्थित सॉफ्टवेयर कंपनी चेतु इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच छात्रों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता 11 मई को संपन्न हुआ। एमओयू के तहत दोनों संस्थान मिलकर छात्रों के लिए इंडस्ट्रियल विजिट, गेस्ट लेक्चर, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, रिसर्च गतिविधियां, फैकल्टी डेवलपमेंट एवं प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करेंगे। साथ ही कंपनी छात्रों को इंडस्ट्री की वर्तमान जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण और कोर्स सामग्री भी उपलब्ध कराएगी।

समझौते के अनुसार चयनित विद्यार्थियों को इंडस्ट्री ओरिएंटेड प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाएगा। यह एमओयू एक वर्ष तक प्रभावी रहेगा तथा आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा। एमओयू पर एकेएस विश्वविद्यालय की ओर से प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी बालेंद्र विश्वकर्मा तथा चेतु इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से सीनियर टीम लीड जुनैद हनीफ ने हस्ताक्षर किए।

संक्षिप्त समाचार

परिषद् ने नवागत कलेक्टर किया स्वागत

रीवा। अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस संघर्ष परिषद एवं सरपंच महा परिषद के अध्यक्षराजकुमार सिंह तिवारी ने नवागत कलेक्टर रीवा नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी का भगवान महामृत्युंजय की पावन पुनीत धरती एवं सफेद शेरों की जननी में परिषद की ओर से शानदार कार्यकाल की हार्दिक शुभकामनाएं दे। श्री तिवारी ने कलेक्टर को ग्राम पंचायत देवरा फरेंदा मे जन चौपाल के माध्यम से लोगों की समस्याओं का निराकरण करने हेतु आमंत्रित किया, जिस पर कलेक्टर ने शीघ्र आने की सहमति जताई।

अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सिंग स्टॉफ का किया गया सम्मान

रीवा। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर संजय गांधी हॉस्पिटल एवं मेडिकल कॉलेज रीवा में नर्सिंग स्टाफ के सम्मान में गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आधुनिक नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में सेवा, संवेदना, चिकित्सा विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिकता के अद्भुत समन्वय को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुनील अग्रवाल ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में बीके लता विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर डॉ. संग्या द्विवेदी, मीनाक्षी कुशवाहा, अनमोल गौतम,वोअंजना पटेल, रश्मि द्विवेदी,प्रज्ञा साहू, बीके प्रकाश भाई बीके मीनाक्षी, बीके उर्मिला, बीके अंशिका तथा बीके सुभाष सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, विद्यार्थी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 200 लाभार्थियों ने सहभागिता कर इसका लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम का समापन नर्सिंग स्टाफ के सम्मान, मानवता की सेवा में उनके अमूल्य योगदान के प्रति कृतज्ञता तथा सभी के उज्ज्वल, स्वस्थ, सुखमय एवं तनावमुक्त जीवन की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

प्रो. उमा परौहा टेबल टेनिस प्रतियोगिता 30 से

रीवा, नगर संवाददाता। रीवा संभाग की प्रतिष्ठित संभाग स्तरीय प्रो. उमा परौहा टेबल टेनिस प्रतियोगिता इस वर्ष 30 एवं 31 मई को स्पोर्टस काम्पलेक्स रीवा में खेली जायेगी। प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए इस प्रतियोगिता के संयोजक असद खान, कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी एवं सचिव डॉ. विनोद तिवारी ने बताया कि आयोजन के इस 29वें वर्ष में महिला-पुरूष एकल, बालक-बालिका एकल, वेटरन्स महिला-पुरूष एकल, बालक-बालिका एकल, वेटरन्स महिला-पुरुष एकल, पुरुष-महिला टीम ईवेन्ट सब जूनियर बालक-बालिका, कैडेट बालक-बालिका हेतु प्रतियोगितायें खेली जायेगी। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता समाज सेवी एवं चिकित्सक डॉ. केके परौहा की धर्म पत्नी प्रो. उमा परौहा के पुण्य स्मरण में विगत 28 वर्षो से कराई जा रही है।

मैनिट टीम ने किया ट्रैफिक व मोबिलिटी सर्वे

शहर की यातायात व्यवस्था का रखा गया सुधारात्मक सुझाव

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा शहर में बीते दिनों मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट), भोपाल की टीम द्वारा किए गए ट्रैफिक एवं मोबिलिटी सर्वे के आधार पर तैयार कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान 2026 का विस्तृत प्रस्तुतीकरण निगम आयुक्त अक्षत जैन की उपस्थिति में मंगलवार को नगर निगम रीवा के मीटिंग हॉल में आयोजित किया गया। सह प्राध्यापक राहुल तिवारी के निर्देशन में तैयार इस प्रस्तुतीकरण में शहर की वर्तमान एवं भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुधारात्मक सुझाव प्रस्तुत किए गए। मैनिट टीम द्वारा बताया गया कि कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार करने से पूर्व शहर में विभिन्न स्तरों पर विस्तृत प्राथमिक सर्वे एवं तकनीकी अध्ययन किए गए। इसके अंतर्गत रिकॉनिसेंस सर्वे, ट्रैफिक वॉल्यूम काउंट, पब्लिक ट्रांसपोर्ट यूजर इंटरव्यू, जंक्शन इन्वेंटरी, हाउसहोल्ड सर्वे, पार्किंग सर्वे, स्पॉट स्पीड स्टडी एवं इंटरमीडिएट पारा ट्रांजिट इंटरव्यू जैसे अध्ययन शामिल रहे। इन सर्वेक्षणों के माध्यम से शहर के यातायात प्रवाह, जाम की स्थिति, सार्वजनिक परिवहन उपयोग, पार्किंग व्यवहार, यात्रा पैटर्न एवं सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया।

मिनी सिटी बस संचालन का प्रस्ताव तैयार

बैठक में मैनिट टीम द्वारा तैयार रिपोर्ट के अनुसार बताया गया कि शहर की वर्तमान एवं भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने हेतु मिनी सिटी बसों के संचालन का प्रस्ताव तैयार किया गया है। ये बसें 5 प्राथमिक बस कॉरिडोर एवं 4 फीडर रूटों पर संचालित किए जाने का सुझाव दिया गया। इसके साथ ही शहर में नए बस टर्मिनल एवं इंटरचेंज नोड्स विकसित करने की आवश्यकता भी बताई गई, जिससे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अधिक सुगम एवं प्रभावी हो सके।

पैदल एवं साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित आवागमन व्यवस्था पर जोर

प्रस्तुतीकरण में पैदल यात्रियों एवं साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन व्यवस्था विकसित करने पर भी जोर दिया गया। इसके अंतर्गत चौड़े समर्पित फुटपाथ विकसित करने का सुझाव रखा गया। साथ ही शहर में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत एएनपीआर एवं सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने का प्रस्ताव दिया गया, जिससे यातायात अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत किया जा सके। मैनिट टीम ने बताया कि यह पूरी योजना अल्पकालिक, मध्यमकालिक एवं दीर्घकालिक तीन चरणों में आगामी 10 वर्षों में लागू किए जाने का प्रस्ताव है तथा इसके लिए चरणबद्ध कार्यान्वयन एवं फेजिंग स्ट्रेटेजी भी तैयार की गई है।

शिल्पी प्लाजा व अस्पताल चौक में मल्टी लेवल व स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था

टीम द्वारा सर्वे के दौरान प्राप्त आंकड़ों एवं यातायात अध्ययन के आधार पर शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों शिल्पी प्लाजा एवं अस्पताल चौक में बढ़ते पार्किंग दबाव को देखते हुए मल्टी-लेवल पार्किंग एवं सेंसर आधारित स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया गया। वहीं जय स्तम्भ, सिरमौर चौराहा, धोबिया टंकी एवं घोड़ा चौराहा जैसे प्रमुख जंक्शनों पर यातायात दबाव एवं जाम की स्थिति के विश्लेषण के आधार पर इनके रीडिजाइन एवं चैनलाइजेशन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

प्रपोजल का अध्ययन कर सफल मॉडलों पर कार्य किया जायेगा:निगमायुक्त

बैठक के दौरान निगम आयुक्त अक्षत जैन ने मैनिट टीम द्वारा किए गए सर्वे एवं प्रस्तुतीकरण की सराहना करते हुए कहा कि डेटा आधारित अध्ययन शहर की वास्तविक यातायात आवश्यकताओं को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि जिन मॉडल्स एवं व्यवस्थाओं को अन्य शहरों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है एवं वह सुचारू रूप से संचालित है, उन्हें रीवा की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से लागू करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निगम आयुक्त ने कहा कि प्रस्तुत किए गए प्रपोजल एवं सुझावों का विस्तृत अध्ययन कर आवश्यकतानुसार व्यवहारिक एवं सफल मॉडलों पर कार्य किया जाएगा। बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा समिति के बिन्दुओं के अनुसार सहायक यंत्री पीडब्ल्यूडी ओमकार मिश्रा, ट्रैफिक सूबेदार अखिलेश कुशवाहा एवं चीफऑपरेटिंग ऑफिसर मुरारी कुमार एवं एमपीआईडीसी एजीएम मोहित ने भी आवश्यक जानकारी एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

जनसुनवाई में भूमि नक्शा तरमीम को लेकर शिकायत, पटवारी पर गंभीर आरोप

रीवा, नगर संवाददाता।

जनसुनवाई में इंदौर से पहुंचे सुरेन्द्र सोलंकी ने अपनी भूमि से जुड़े मामले में प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि सेमरिया तहसील के बम्हनी अजमेर में स्थित उनकी भूमि का नक्शा तरमीम कराने के लिए उन्होंने आवेदन दिया था, लेकिन पिछले दो वर्षों से यह मामला लंबित है। शिकायतकर्ता के अनुसार, संबंधित हल्का पटवारी अमित मिश्रा द्वारा लगातार हीलाहवाली की जा रही है और अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सी एम हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन वहां से भी कोई समाधान नहीं मिला। सुरेन्द्र सोलंकी ने आरोप लगाया कि पटवारी द्वारा काम करने के बदले रिश्वत की मांग की जा रही है, जिसके कारण उनका कार्य अटका हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय द्वारा निर्देश जारी किए जाने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि पटवारी द्वारा उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है कि वह गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इसी कारण उन्होंने कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग की है। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि संबंधित पटवारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उनकी भूमि का नक्शा तरमीम कराने के लिए आवश्यक आदेश जारी किए जाएं।

डांस मेनिया सीजन-17 के ऑडिशन में बच्चों ने मचाया धूम

रीवा, नगर संवाददाता।

डांस मेनिया सीज़न 17 का ऑडिशन रविवार को गीता ज्योति स्कूल कैंपस उर्रहट रीवा में आयोजित हुआ। आयोजन में प्रदेश भर से पहुंचे सैकड़ों प्रतिभागियों ने डांस, मॉडलिंग और मम्मी स्पेशल तीनों कैटेगरी में अपनी प्रस्तुति से जज और दर्शकों को तालिया बजाने पर मजबूर कर दिया। स्टेज पर हर परफॉर्मेंस के साथ कैंपस में उत्साह चरम पर रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय संचालक अर्पित अवस्थी ने दीप प्रज्वलन कर की। जजमेंट पैनल में प्राची गौतम ने हर परफॉर्मेंस को बारीकी से परखा। इस मौके पर डॉ. अखिलेश पटेल,आदर्श पटेल, एड. रितेश गुप्ता, पुष्पेन गुप्ता,प्रतिभा मिश्रा, निलिमा गुप्ता, मीना दीक्षित, ऋचा शुक्ला एवं शैली कटारिया उपस्थित रहीं। चयनित प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया और उन्हें 15 से 21 मई तक 7 दिन की फ्री ग्रूमिंग क्लासेस दिये जाने की घोषणा की। 23 मई 2026 से कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में ग्रैंड फिनाले में ये टैलेंट धमाल मचाएंगे। विजेताओं के लिए मोमेंटो, सर्टिफिकेट और बड़े करियर अवसर के साथ मैगज़ीन कवर शूट का भी मौका मिलेगा।

प्रबोधन वर्ग के वंदना सत्र में बुद्धजीवियों ने दिये प्रेरणादायी संदेश

रीवा, नगर संवाददाता।

संस्कृत भारती के महाकोशल प्रान्त द्वारा आयोजित प्रबोधन वर्ग के अंतर्गत सम्पन्न वन्दना सत्र गरिमामयी वातावरण एवं संस्कृतमय भावभूमि में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, प्रशासन एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संदीप मिश्रा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीवा उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं जीवनदर्शन की मूलाधार भाषा है। वर्तमान समय में संस्कृत के माध्यम से समाज में नैतिक चेतना एवं सांस्कृतिक जागरण का कार्य अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से संस्कृत भाषा को व्यवहार में लाने तथा भारतीय परम्पराओं से जुड़ने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डा ज्योत्सना द्विवेदी प्राध्यापिका ने संस्कृत साहित्य की समृद्ध परम्परा एवं उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीनतम एवं अत्यंत व्यवस्थित भाषा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ विद्वान एवं सेवानिवृत्त प्राध्यापक डा श्री निवास मिश्रा ने संस्कृतभारती द्वारा संचालित संस्कृत संभाषण एवं जनजागरण अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि समाज में संस्कृत के प्रति बढ़ती रुचि भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का शुभ संकेत है।

संस्कृतभारती का लक्ष्य संस्कृत को जन-जन की भाषा बनाना

डा. मनोज पाण्डेय प्रान्तसङ्घटनसन्त्री संस्कृतभारती ने प्रबोधन वर्ग के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्कृतभारती का लक्ष्य संस्कृत को जन-जन की भाषा बनाना है। कार्यक्रम में डी पी सिंह परिहार जिलाध्यक्ष संस्कृतभारती ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए संस्कृत के माध्यम से राष्ट्रभाव जागृत करने की आवश्यकता बताई। वन्दना सत्र में संस्कृत गीत, श्लोकपाठ एवं संभाषण ने सम्पूर्ण वातावरण को संस्कृतमय बना दिया। कार्यक्रम में संस्कृत के प्रचार-प्रसार एवं भारतीय संस्कृति के संवर्धन हेतु निरन्तर कार्य करने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम का संचालन संदीप मिश्रा द्वारा किया गया। उनके संचालन ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। प्रबोधन वर्ग का यह वन्दना सत्र ज्ञान, संस्कार एवं संस्कृति के समन्वय का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उपस्थित जनसमुदाय के लिए स्मरणीय रहा।

ज्ञानस्थली विद्यालय की ताइक्वांडो टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

रीवा, नगर संवाददाता।

ज्ञानस्थली विद्यालय के प्रतिभाशाली ताइक्कांडो खिलाड़ियों अदिति जायसवाल, अमृता गुप्ता, अनामिका सिंह पाल, गीत आहूजा, आनंद सोनी एवं अर्पित मिश्रा का चयन राष्ट्रीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता 2026 के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 13 मई से 15 मई 2026 तक तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। विद्यालय के डायरेक्टर प्रणव सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है और हमें विश्वास है कि ये खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय की प्राचार्य सलोनी बत्रा एवं उप प्राचार्य कल्पना सिंह ने सभी चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के व्यायाम निर्देशक राजकुमार साहू एवं ताइक्कांडो प्रशिक्षक पवन किशोर मांझी ने भी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी लगन, अनुशासन और कठिन मेहनत उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

नियमावली की जलायी गयी प्रतियां

श्रम संहिताओं के विरोध में सीटू ने किया प्रदर्शन

रीवा, नगर संवाददाता।

संयुक्त ट्रेड यूनियनों के आव्हान पर आज रीवा में सेंटर ऑफ़ इंडियन ट्रेड यूनियन सीटू द्वारा केंद्र सरकार द्वारा 8 मई को सूचित की गई श्रम संहिताओं के विरोध में सिरमौर चौराहा रीवा में प्रदर्शन कर अधिसूचित किए गए कानून को वापस लेने की मांग उठाई गई । इस मौके पर सीटू के जिला महासचिव सौरव मिश्रा ने बताया कि विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद जैसा कि अपेक्षित था केंद्र सरकार ने 8 मई 2026 को चारों श्रम संहिताओं के नियमों को अधिसूचित कर दिया है ।सरकार के इस कदम के तत्काल प्रतिरोध के रूप में केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने केंद्र सरकार की श्रमिक वृद्धि नीतियों के खिलाफ 12 मई को श्रम संहिताओं एवं नियमों की प्रतियाँ जलाकर राष्ट्रव्यापी मांग दिवस मनाने का आव्हान किया था। इसी तारतम्य में रीवा में भी विरोध कार्यवाहियों की गईं । पुरजोर नारे बाजी के उपरांत श्रम संहिताओं की नियमावली की प्रतियां जलाई गईं । संगठन के नेताओं ने कहा है कि आने वाले दिनों में और अधिक तेज संघर्षों के लिए भी हमें तैयार रहना होगा। आंदोलन के दौरान सीटू के सचिव अमित साहगौरा, रोहित तिवारी, संतोष सिंह, कोषाध्यक्ष वीरेश पांडे, कार्यकारिणी सदस्य गौरव रणदेव, संजय तिवारी, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के आशीष अग्निहोत्री, विकास तिवारी, मनीष गुप्ता, सहित अन्य मजदूर साथी उपस्थित रहे ।

गोवा मुक्ति आंदोलन पर व्याख्यान माला आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा गोवा मुक्ति आंदोलन पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में किया गया,अध्यक्षता डॉ पूनम मिश्रा, विभाग अध्यक्ष इतिहास ने किया। उन्होंने गोवा मुक्ति आंदोलन पर विषय प्रवेश पर विस्तार से प्रकाश डाला जिसमें उन्होंने भारत में वास्कोडिगामा के आगमन से लेकर 1510 में गोवा पर पुर्तगाली शासन की स्थापना, साथ ही पुर्तगीज भारत के विभिन्न गवर्नर जैसे अल्फांसो डी अल्बूकर्क, नीनू ड कुन्हा के कार्यों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में वक्ता उदित नारायण रवि शासकीय महाविद्यालय जैतहरी उपस्थित रहे। उन्होंने गोवा मुक्ति आंदोलन के कारण एवं परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुधाकर दुबे द्वारा किया गया, एवं आभार मोहित मेहरा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ मिर्जा अख्तर बेग, शैली त्रिपाठी, डॉ अनिल कुमार सिंह, डॉ प्रवीण पाण्डेय, डॉ. प्रतिमा पाण्डेय, पुष्पेंद्र कुमार सिंह एवं शालिनी मिश्रा तथा इतिहास विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नामांकन

रीवा। रीवा बीजेपी जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता साइकिल से शहर में यात्रा करते नजर आए। उनकी इस साइकिल यात्रा को लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत अपील से जोड़कर देख रहे हैं।

संपादकीय

क्यों ना खरीदें सोना?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोना नहीं खरीदने की सलाह दी है, उन्होंने देशवासियों से अगले एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील की है। सवाल यह है कि आखिर प्रधानमंत्री ने लोगों से सोना नहीं खरीदने की भावुक अपील क्यों की है? दरअसल, भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सोने का उपभोक्ता है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत हर साल करीब 750 टन सोना आयात करता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 721 टन सोना आयात हुआ. 2024-25 में लगभग 757 टन और वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 744 टन सोना भारत ने आयात किए। भारत स्विट्जरलैंड से सबसे अधिक सोना आयात करता है। लगभग कुल आयात का 40 फीसदी हिस्सा स्विट्जरलैंड से लेता है। इसके बाद यूएई और दक्षिण अफ्रीका का नंबर आता है। भारत में सोने का खनन बहुत कम होता है, इसलिए डिमांड पूरी करने के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। खासकर ज्वेलरी और निवेश के लिए लोग सोना खरीदते हैं। सोने का आयात सीधे भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालता है। सोने का भारी आयात देश के व्यापार घाटे को बढ़ाता है, क्योंकि इसके लिए बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। जब भारत 10 ग्राम सोना खरीदता है, जिसकी कीमत करीब 1.50 लाख रुपये है, भारत को यह भुगतान डॉलर में करना पड़ता है। इससे आयात और निर्यात के बीच असंतुलन बढ़ जाता है, और देश का व्यापार घाटा भी बढ़ जाता है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोना नहीं खरीदने की अपील की है। भारत ने वित्त-वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 721.03 टन सोना आयात किया था। साल भर का कुल आयात मूल्य लगभग 6,11,830 करोड़ रुपये रहा। इस हिसाब से एक दिन में भारत औसतन 1.97 टन सोना आयात करता है। सरकारी आंकड़ों के आधार पर देखें तो भारत रोजाना औसतन 1,676 करोड़ रुपये का सोना विदेशों से खरीदता है। भारत हर घंटे करीब 80 किलो सोना आयात करता है। यही नहीं, देश में शादियों के सीजन और दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान सोने का दैनिक औसत खरीदारी 4 से 5 टन तक पहुंच जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक भी अपने विदेशी मुद्रा भंडार के हिस्से के रूप में सोने की खरीदारी करता है। दिसंबर 2024 तक आरबीआई के पास लगभग 876 टन सोने का भंडार था। दरअसल, प्रधानमंत्री की अपील के पीछे देश की आर्थिक स्थिरता से जुड़ा मामला है। सोने के आयात की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता जा रहा है, भारत अपनी जरूरत का लगभग सारा सोना विदेशों से आयात करता है और इसके लिए भुगतान अमेरिकी डॉलर में करना पड़ता है। फिलहाल, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और हॉर्मुज में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। इस तनाव की वजह से भारत को तेल खरीदने के लिए 30 प्रतिशत अधिक डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। अगर इसी समय लोग भारी मात्रा में सोना भी आयात करेंगे, तो देश के डॉलर भंडार पर 'दोहरी मार' पड़ेगी। देखा जाय तो सोने के बहाने एक तरह से प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका पर भी निशाना साधा है, जो कि डॉलर में ट्रेड को बढ़ावा दे रहा है। जबकि भारत-रूस समेत कई दूसरे बड़े देश वैकल्पिक करेंसी में ट्रेड पर विचार कर रहा है। डॉलर का कम इस्तेमाल यानी अमेरिकी मुहिम को झटका देना है। कच्चा तेल खरीदना देश की मजबूरी है, तमाम आर्थिक गतिविधियां तेल पर निर्भर हैं। लेकिन सोना एक स्वैच्छिक निवेश है। सरकार चाहती है कि लोग सोने में पैसा लगाने के बजाय उसे देश के भीतर अन्य उत्पादक कार्यों या सरकारी योजनाओं में लगाएं। विदेशी यात्राओं से बचें, ताकि डॉलर बाहर न जाए। कम पेट्रोल डीजल का इस्तेमाल करें ताकि डॉलर का खर्च कम हो।

विश्व राजनीति में होगा बड़ा उलटफेर

वैश्विक संकट के बीच सबसे बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं मोदी

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है।

वैश्विक चुनौतियों, बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों, ऊर्जा संकट, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितताओं और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बड़े कूटनीतिक मिशन पर निकल रहे हैं। 15 मई से 20 मई तक प्रस्तावित उनकी बहुराष्ट्रीय विदेश यात्रा के दौरान वह संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत की वैश्विक रणनीति, आर्थिक हितों और सामरिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस दौरान ऊर्जा सहयोग, व्यापार, हरित प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश, नवाचार और वैश्विक सुरक्षा जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और अधिक मजबूत होने की संभावना है।

इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारत अपने पारंपरिक मित्र देशों के साथ केवल व्यापारिक संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को भी विस्तार देना चाहता है। हाल के वर्षों में भारत ने विश्व मंच पर एक भरोसेमंद और संतुलित शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई है। यही कारण है कि यूरोप और पश्चिम एशिया के देश भारत को भविष्य के आर्थिक और सामरिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात से करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग, निवेश, डिजिटल भुगतान, रक्षा और भारतीय समुदाय के कल्याण जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। संयुक्त अरब अमीरात भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है तथा बीते पच्चीस वर्षों में भारत में निवेश करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने व्यापार को नई गति दी है। ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी संयुक्त अरब अमीरात भारत का महत्वपूर्ण सहयोगी है। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा दोनों देशों की सामरिक निकटता को और अधिक मजबूत बना रहा है। वहां रह रहे लाखों भारतीय दोनों देशों के सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों की मजबूत कड़ी हैं।

संयुक्त अरब अमीरात के बाद प्रधानमंत्री नीदरलैंड जाएंगे। यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बीच बढ़ते आर्थिक तथा प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देगी। प्रधानमंत्री वहां के राजा विलेम अलेक्जेंडर, महारानी माक्सिमा और प्रधानमंत्री रोब येटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, हरित हाइड्रोजन, जल प्रबंधन, सेमीकंडक्टर और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। नीदरलैंड यूरोप में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत में बड़े निवेशकों में शामिल है। जल प्रबंधन और कृषि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीदरलैंड की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती है। दोनों देश मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समर्थन में भी एक समान दृष्टिकोण रखते हैं।

मोदी की स्वीडन की यात्रा भारत और नॉर्डिक देशों के साथ बढ़ते सहयोग को और मजबूत बनाएगी। प्रधानमंत्री गोथेनबर्ग में स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन से वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, हरित परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। हम आपको बता दें कि स्वीडन की अनेक प्रमुख कंपनियां भारत में सक्रिय हैं और दोनों देशों के बीच नवाचार आधारित साझेदारी तेजी से विकसित हो रही है। भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में समान सोच रखते हैं। हरित औद्योगिक परिवर्तन और जलवायु संरक्षण के लिए दोनों देशों का सहयोग वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी इसके बाद नॉर्वे जाएंगे, जहां वह तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नॉर्वे की पहली यात्रा होगी और पिछले तैंतालीस वर्षों में भारत से वहां होने वाली पहली प्रधानमंत्री स्तरीय यात्रा भी मानी जा रही है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री योनास गार स्तोरे के साथ होने वाली वार्ता में व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी और समुद्री अर्थव्यवस्था पर विशेष जोर रहेगा। भारत और नार्वे के संबंध समुद्री सहयोग, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर आधारित हैं। भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार समझौते के बाद दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिलने की संभावना है। नॉर्वे का विशाल पेंशन कोष भारतीय पूंजी बाजार में महत्वपूर्ण निवेश कर चुका है। आर्कटिक क्षेत्र, हरित जहाजरानी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन में दोनों देशों का सहयोग भविष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पक्ष होगा। इसमें नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के शीर्ष नेता शामिल होंगे। यह मंच भारत और नॉर्डिक देशों के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, सतत विकास और समुद्री अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रणनीतिक दिशा देगा। वैश्विक आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाने और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में यह सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री इटली जाएंगे। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला के साथ उनकी बैठकें भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगी। दोनों देश 2025 से 2029 तक की संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रहे हैं। व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक सहयोग इसके प्रमुख क्षेत्र हैं। इटली ने चीन की बेल्ट एंड रोड पहल से अलग होकर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को समर्थन दिया है, जिससे दोनों देशों की सामरिक निकटता बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर दिया जा रहा है। इटली भारत के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के प्रयासों का भी समर्थन करता रहा है। वहां रह रहा भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को सामाजिक और सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है।

इस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विदेश यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का प्रतीक भी है। यह यात्रा भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी सहयोग, हरित विकास, रक्षा साझेदारी और वैश्विक व्यापार के नए अवसर प्रदान करेगी। साथ ही यह संदेश भी देगी कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख और विश्वसनीय केंद्र बनकर उभर रहा है।

विरासत की इबादत

है अमर शहीदों की पूजा, हर एक राष्ट्र की परम्परा,
उनसे है मां की कोख धन्य उनको पाकर है धन्य धरा,
गिरता है उनका रक्त जहां वे ठोर तीर्थ कहलाते हैं,
वे रक्तबीज अपने जैसों की नई फसल दे जाते हैं।

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

शहीदों को सम्मान देना हमारा दायित्व है और उन्हें याद कर उनके दिखाए मार्ग पर चलना हमारे परिवार के संस्कार हैं। 12 मई 1984 को मेरे पूजनीय दादा जी रमेश चंद्र जी का बलिदान दिवस है। यह तो सभी जानते हैं कि जो जन्मा है, एक न एक दिन उसे मृत्यु को प्राप्त होना ही होगा। शहादत हर एक के नसीब में नहीं होती। यदि शहादत का कोई कारण हो तो पूजनीय दादा जी की शहादत भी देश की एकता और अखंडता के लिए की गई कुर्बानी है। हमारे जीवन में यह नियति ही रही कि उनके बलिदान के चलते मेरे अनुज आकाश और अर्जुन दादा जी के स्नेह से वंचित रहे। मेरे पिताश्री अश्विनी कुमार जी हमें पूजनीय दादा जी और हमारे परदादा अमर शहीद लाला जगत नारायण जी की स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत तक उनके जीवन की दास्तान सुनाया करते थे। जब भी 12 मई का दिन आता मेरे पिता अश्विनी कुमार स्वयं को असहाय पाते लेकिन बाद में कहते कि हर व्यक्ति के जीवन में कभी न कभी ऐसे क्षण आते हैं कि जब वह वक्त के द्वारा दिए गए निर्णय के समक्ष बेबस होते हैं। हम सब उस निर्णय को नियति कह सकते हैं। अमर शहीद लाला जगत नारायण जी का बलिदान और फिर रमेश चंद्र जी का बलिदान हमें गर्व से सिर ऊंचा कर जीना सिखाता है।

जमीन-मकान सब तुम्हें मुबारक
मुझे दादा जी के आदर्शों की वसीयत मिली है,
मेहनत के रास्ते ही मिलता है अपना हक
विरासत में सही नसीहत मिलती है

अक्सर मैं अनेक परिवारों में दादा को पौत्र-पौत्रियों के साथ खेलते देखता हूं तो पाता हूं कि दादा बच्चों का बार-बार हाथ पकड़ते हैं। दादा बच्चों का हाथ इसलिए नहीं पकड़ते कि वह खुद न लड़खड़ा जाए, बल्कि इसलिए पकड़ते हैं कि कहीं बच्चे गिर न जाएं। कहते हैं दादा-दादी का अपने पौत्र-पौत्रियों के साथ बहुत स्नेह होता है। यह कहावत बार-बार कही जाती है कि 'मूल से ज्यादा ब्याज प्यारा होता है।' जैसे अपनी मां को देखता हूं, उनकी जान मेरे बच्चों में बसती है। शायद आज की तारीख में उन्हें मुझसे ज्यादा मेरे बच्चों से प्यार है और जब बच्चों को दादा-दादी कहते लिपटते, प्यार करते देखता हूं तो मुझे अपने जीवन में इस प्यार की बहुत कमी महसूस होती है।

हर वर्ष जब दादा जी का शहादत दिवस आता है तो मैं पूजनीय पिता अश्विनी कुमार को देखता और महसूस करता हूं कि वह भावनाओं के समन्दर में कितना बहे होंगे। सही अर्थों में दादा जी की कलम की विरासत को सम्भालने का श्रेय एक सम्पादक के तौर पर मेरे पिता श्री अश्विनी कुमार को ही जाता है। मुझे आज स्वयं पर गर्व हो रहा है कि मैं उस परिवार का हिस्सा हूं जिसके दो वट वृक्षों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और साम्प्रदायिक सद्भाव को बरकरार रखने के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी। इस दिन मेरे पिता दादा जी की एक छोटी डायरी के पन्नों को पलट-पलट कर देखते और दादा जी की कलम को अपने सामने रखते। आज वही डायरी मेरे हाथ में है, जिनके पन्नों पर श्रीराम चरित मानस की चौपाइयां और गुरुवाणी की पंक्तियां लिखी हुई हैं। एक पन्ने पर लिखा है-

मेरे राम राय, तू संता का संत,
तेरे सेवक को वो किछु नाही,
जम नहीं आवे नेड़े।

जो कुछ भी मैंने सुना और जितना मैंने पंजाब की राजनीति के इतिहास में पढ़ कर जाना कि दादा जी ने आतंकवाद के दौर में सीमापार की साजिशें, विफल होते प्रशासन, बिकती प्रतिबद्धताओं और लगातार मिल रही धमकियों के बीच शहादत का मार्ग चुन लिया। उन्होंने एक सम्पादकीय में लिखा था असत्य के साथ समझौते से तो अच्छा है कि उस मृत्यु का वरण कर लिया जाए जो राष्ट्र की अस्मिता को समर्पित हो। अन्याय मुझे विवश कैसे कर लेगा मैं आर्य पुत्र हूं, सत्य लिखना मेरा धर्म है और कलम मेरा ईमान। मैं सत्यपथ का पथित हूं। आगे जो मेरा प्रारुध मुझे स्वीकार। लाला जी के बलिदान के बाद रिश्तेदारों, मित्रों और सहयोगियों ने बहुत दबाव डाला कि जालंधर से पंजाब केसरी का प्रकाशन बंद कर किसी और जगह शुरू किया जाए लेकिन मेरे पिता अश्विनी कुमार ने इसका कड़ा प्रतिरोध किया। दादा जी की स्मृति में मेरी मां किरण चोपड़ा हर वर्ष जन-जन की सेवा के लिए कार्यक्रम करती हैं। आज मैं पत्रकारिता में विरासत का दायित्व संभाल रहा हूं। मुझे आकाश और अर्जुन का पूरा सहयोग मिल रहा है। मेरे लिए पत्रकारिता विरासत की इबादत है। आज हम दादा जी की सादगी, अच्छाई और सौम्यता से परिपूर्ण जीवन को याद कर रहे हैं। सत पुरुष वही है जिनमें संतों के गुण हो, करुणा सहनशीलता और दिल में सभी के लिए प्यार हो। हमारा परिवार इन्हीं गुणों को ग्रहण कर आगे बढ़ रहा है। यही दादा जी को सच्ची श्रद्धांजलि है।

भारत का युवा चौराहे पर, शिक्षा या परीक्षा की फैक्ट्री

पवन शर्मा

भारत आज एक खतरनाक शैक्षणिक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर विश्व शक्ति बनने का सपना है, तो दूसरी ओर स्कूल, कोचिंग, प्रतियोगिता और अनिश्चित भविष्य के बीच पिसती हुई युवा पीढ़ी की कठोर सच्चाई। देश में तेजी से बढ़ता कोचिंग उद्योग केवल शिक्षा की कहानी नहीं कहता, बल्कि यह उस व्यवस्था का आईना है जो धीरे-धीरे अपने ही स्कूलों और कॉलेजों पर विश्वास खोती जा रही है। अनुमानों के अनुसार भारत में 68,000 से अधिक पंजीकृत कोचिंग संस्थान हैं, जबकि अपंजीकृत संस्थानों की संख्या लाखों में हो सकती है। आज कोचिंग उद्योग का आकार लगभग 58,000 करोड़ तक पहुँच चुका है और अनुमान है कि 2028-30 तक यह 1.3-1.5 लाख करोड़ तक पहुँच जाएगा - जो केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के वार्षिक बजट 1.28 लाख करोड़ के लगभग बराबर है। यह अब केवल सहायक शिक्षा व्यवस्था नहीं रही। यह एक समानांतर शिक्षा अर्थव्यवस्था बनती जा रही है। आंकड़े शिक्षा व्यवस्था की सच्चाई खोलते हैं। हर वर्ष लगभग 10-12 लाख विद्यार्थी PSC परीक्षा देते हैं, लेकिन अंतिम चयन मुश्किल से लगभग 1,000 का होता है। वहीं लगभग 15 लाख छात्र IIT में प्रवेश के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, जहाँ अंतिम चयन दर लगभग 1-1.5% के आसपास रहती है। फिर भी बड़े-बड़े विज्ञापन 80-90% सफलता का दावा करते हैं।

लेकिन सफलता किसकी? अधिकतर ये आंकड़े चुनिंदा टॉपर बैच के आधार पर दिखाए जाते हैं, न कि उन लाखों छात्रों के जो पूरे सिस्टम में प्रवेश करते हैं। अधिकांश युवाओं के हिस्से में आता है - मानसिक दबाव, निराशा, आर्थिक बोझ, चिंता और भावनात्मक थकान। लेकिन सबसे बड़ी त्रासदी किताबों से बाहर दिखाई देती है। बच्चा दिनभर स्कूल में रहता है और शाम को कोचिंग में। रात तक उसके पास न खेल का समय बचता है, न परिवार के साथ बैठने का, न संगीत, न किताबें, न आत्मचिंतन, न रचनात्मकता और न ही स्वस्थ जीवन। भारत के बच्चे जीवन सीखने से पहले केवल फार्मूले सीख रहे हैं। मैदान खाली हो रहे हैं। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं। बचपन रैंक और रिजल्ट की दौड़ में बदलता जा रहा है। माता-पिता भी अनजाने में इस दबाव का हिस्सा बन चुके हैं। अनेक बच्चे इंजीनियरिंग, मेडिकल, सिविल सेवा या अन्य लोकप्रिय क्षेत्रों में इसलिए धकेले जाते हैं क्योंकि पड़ोसी का बच्चा वही कर रहा है या समाज उसे सफलता मानता है। बहुत कम बच्चों से ईमानदारी से पूछा जाता है- तुम वास्तव में जीवन में क्या बनना चाहते हो? दूसरी ओर स्कूल केवल औपचारिकता बनते जा रहे हैं। व्यक्तित्व विकास, नैतिक शिक्षा, संवाद कौशल, खेल, रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। शिक्षा धीरे-धीरे व्यावसायिक और परीक्षा-केंद्रित होती जा रही है। नीतिगत स्तर पर स्थिति और गंभीर है। दशकों से शिक्षा सुधार की बातें हो रही हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर की यूनिवर्सिटी, रिसर्च संस्कृति, खेल ढाँचा, शिक्षक प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था आज भी देश की जरूरतों से बहुत पीछे हैं। शिक्षा को दूरदृष्टि चाहिए, केवल राजनीति नहीं। दुर्भाग्य से शिक्षा नीति कई बार नौकरशाही, जातीय समीकरण, वोट बैंक और अल्पकालिक राजनीति के नीचे दब जाती है। दूसरी ओर निजी कोचिंग उद्योग महत्वाकांक्षाओं को बाजार में बदलकर लगातार विस्तार कर रहा है। समस्या केवल कोचिंग नहीं है। समस्या कोचिंग पर बढ़ती निर्भरता है। कोई भी महान राष्ट्र तब मजबूत नहीं बन सकता जब स्कूल औपचारिकता बन जाएँ, कॉलेज भरोसा खो दें, खेल मैदान खाली हो जाएँ और युवा लगातार असफलता के डर में जीने लगें। भारत को केवल टॉपर नहीं चाहिए। भारत को विचारक, वैज्ञानिक, शिक्षक, कलाकार, खिलाड़ी, उद्यमी, कुशल युवा और संतुलित नागरिक चाहिए। एक बुद्धिमान समाज केवल डिग्री और तनाव ढोने वाले युवाओं से नहीं बनता। वह तब बनता है जब शिक्षा युवा के मस्तिष्क, शरीर, चरित्र, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और मानवीय मूल्यों का विकास करे। समय आ गया है कि भारत शिक्षा नीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करे - केवल राजनीतिक घोषणाओं के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए। वरना आने वाले समय में हमारे पास कोचिंग सेंटर तो बहुत होंगे, लेकिन मौलिक सोच वाले युवा बहुत कम।

अब घुसपैठ से मुक्त होगा पश्चिम बंगाल

सुरेश हिंदुस्तानी

पश्चिम बंगाल में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तौर पर शुभेन्दु अधिकारी ने शासन की बागडोर संभाल ली है। भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी। इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का भी समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा। इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है। क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं। जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा।

लम्बे समय से पश्चिम बंगाल में जनसंख्या का अप्रत्याशित रूप से बढ़ना कई प्रकार के सवाल खड़ा करता रहा है। इसके पीछे बांग्लादेश से आए घुसपैठिए भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से बंगाल ही नहीं, असम भी प्रभावित है, लेकिन अच्छी बात यह है कि विपक्षी राजनीतिक दलों को यह समस्या दिखाई नहीं देती। असम और पश्चिम बंगाल की जनता इस घुसपैठ के विरोध में खड़ी हो गई है, इसलिए इस बार का जनादेश भी बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में आया। इसी के चलते असम में भाजपा सरकार का पुनः बनना और पश्चिम बंगाल में एक नए राजनीतिक उदय के साथ सत्तारूढ़ होना इसी बात का परिचायक है कि भाजपा ही नहीं, जनता भी देश से घुसपैठियों को निकालने का मन बना चुकी है। सुनने में यह भी आ रहा है जो बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल में घुसपैठ करके आए, वे अपने देश वापस जाने का मानस बना चुके हैं। इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि अब पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से मुक्त हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है।

पश्चिम बंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुए हैं। यहां पर अप्रत्याशित रूप से ज़मीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं। जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी ख़राब हो रही है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्ज़ा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया। और यही उसकी हार का कारण भी बना।

अब पश्चिम बंगाल का राजनीतिक दृश्य परिवर्तित हो चुका है। जिन्होंने लम्बे समय तक अमानुषिक अत्याचार सहन किए, वे सत्ता में आ चुके हैं, लेकिन भाजपा को यह सत्ता ऐसे ही नही मिल गई। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता का बलिदान इस जीत के नींव के पत्थर बने। चुनाव के बाद शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक देवनाथ की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कार्य प्रशिक्षित अपराधियों ने किया। संभावना इस बात की भी है कि घटना के बाद ये बांग्लादेश भाग चुके हैं। इसे राजनीतिक हत्या के तौर पर भी देखा जा रहा है और इसके आरोप तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लग रहे हैं।

घुसपैठियों की समस्या से त्रस्त पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठिओं के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा। भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं, लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना सभी चाहते हैं, विपक्ष को इस मुद्दे पर भाजपा का साथ देना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय हित की बात है।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम करेगा प्रशिक्षित प्लंबरों का पंजीयन

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा शहर में कार्यरत अनुभवी और प्रशिक्षित प्लंबरों का पंजीयन शुरू किया गया है। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार अब नगर निगम क्षेत्र में पानी और सीवर लाइन से व्यक्तिगत एवं शासकीय कनेक्शन का कार्य केवल पंजीकृत प्लंबर ही कर सकेंगे। नगर निगम के अनुसार अप्रशिक्षित लोगों द्वारा बिना अनुमति गड्ढे खोदकर किए जा रहे कनेक्शन कार्यों से पानी की लाइनें क्षतिग्रस्त हो रही थीं, जिससे लीकेज, गंदे पानी की शिकायतें और सीवर चोक होने की समस्या बढ़ रही थी। निगम प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में नगर निगम में कोई प्लंबर पंजीकृत नहीं है, जिससे जवाबदेही तय करना मुश्किल हो रहा था। अब इच्छुक प्लंबर निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर पंजीयन करा सकेंगे।

सभापति ने सात दिव्यांगजनों को बांटी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

ग्वालियर। सभापति मनोज तोमर ने मंगलवार को सात दिव्यांगजनों को नि :शुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल एवं हेलमेट वितरित किए। आमखो स्थित उनके निवास कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में छोटू, सोनू यादव, मुकेश कुशवाह, आदिराम रजक, ललित कुमार, प्रेमा बाई और हेमसिंह सहित सात दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। सभापति तोमर ने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना प्राथमिकता है। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिलने से अब वे बिना किसी सहारे शहर में आवागमन कर सकेंगे तथा छोटा-मोटा व्यवसाय भी आसानी से कर पाएंगे।

गीता ज्ञान यज्ञ

कर्म की गति सूक्ष्म और रहस्यमयी हैः तिवारी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय संस्कृति, अध्यात्म एवं श्रीमद् भागवत गीता के दिव्य संदेश के प्रचार-प्रसार हेतु आयोजित पांच दिवसीय 'गीता ज्ञान यज्ञ' के अंतर्गत गंगादास की बड़ी शाला में द्वितीय चरण के चौथे दिन का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में हुआ।

कार्यक्रम में कथा व्यास एवं विश्व गीता प्रतिष्ठानम के केन्द्रीय महामंत्री डॉ. विष्णु नारायण तिवारी ने गीता के चतुर्थ अध्याय 'ज्ञान कर्म संन्यास योग' की गूढ़ एवं जीवनोपयोगी व्याख्या प्रस्तुत की। उन्होंने 'गहना कर्मणो गतिः' श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि कर्म की गति अत्यंत सूक्ष्म और रहस्यमयी है। सामान्य व्यक्ति केवल बाहरी कर्म को देखता है, जबकि गीता कर्म के पीछे की भावना, नीयत और चेतना को भी समान महत्व देती है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य उपदेश 'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत...' की व्याख्या करते हुए कहा कि जब-जब संसार में धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब ईश्वर विभिन्न रूपों में अवतार लेकर धर्म की पुनः स्थापना करते हैं। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता को दिशा देने वाला सार्वकालिक जीवन-दर्शन है। इस अवसर पर बालिका मैत्री द्वारा गीता के द्वादश अध्याय का कण्ठस्थ एवं भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम में अंशुमान, सुजाता तिवारी, रत्ना कपूर, अलकेश त्रिपाठी, कालीचरण शर्मा आदि उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा 15 से

थाटीपुर चौराहा स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 15 मई से किया जाएगा। कथा का वाचन आचार्य पंडित घनश्याम शास्त्री करेंगे। कथा के पहले दिन शाम 4 बजे द्वारकाधीश मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। कथा संयोजक सीमा समाधिया एवं मोहन समाधिया हैं।

नारायण वृद्ध आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा 18 से

लक्ष्मीगंज स्थित नारायण वृद्ध आश्रम में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 18 मई से दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक सुश्री दीपा मिश्रा द्वारा किया जाएगा। कलश यात्रा 18 मई को प्रातः 10 बजे लक्ष्मीनारायण मंदिर जनकगंज से नारायण वृद्ध आश्रम तक निकलेगी। कथा का समापन 25 मई को होगा।

सद्गुरु की कृपा से जीवन में आते हैं सकारात्मक परिवर्तन

ब्रह्म चैतन्य उपासना केंद्र में चल रहे सद्गुरु दत्ता काका के 14वें पुण्यतिथि उत्सव के अंतर्गत गत दिवस धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में शीला मावलणकर ने 'निर्गुण अवस्था में सद्गुरु की प्रचिती' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सद्गुरु दत्ता काका की कृपा से भक्तों को समय-समय पर प्राप्त होने वाले आध्यात्मिक अनुभवों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सद्गुरु की कृपा से भक्तों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। वहीं योगिनी पटवर्धन ने 'नाम सदा बोलिए' विषय पर प्रवचन देते हुए श्रीमद् दासबोध एवं महाराज के दैनंदिन प्रवचनों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर के नाम का स्मरण ही इस भवसागर से पार होने और ईश्वर प्राप्ति का सरल एवं श्रेष्ठ मार्ग है। मंगलवार को आयोजित प्रवचन सत्र में सुनीति पालहेरकर ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि उत्सव के दौरान प्रतिदिन प्रातः एक दंपति द्वारा पादुका पूजन किया जा रहा है। संचालन पवन पटवर्धन ने किया।

सराफा में खुदाई शुरू, पानी का संकट

ग्वालियर। नगर निगम में बिना किसी योजना के जब चाहे तब किसी भी क्षेत्र की सड़क को खोदना शुरू कर दिया जाता है। अभी डीडवाना ओली में मुख्य सड़क खोदी गई थी जिससे पाइप लाइन टूटने पर कई घरों में पानी आना बंद हो गया था। लेकिन इसके बावजूद अब मंगलवार को सराफा बाजार में मुख्य सड़क खोदना शुरू कर दिया गया है। पुलिस चौकी के सामने खुदाई शुरू होते ही आस-पास के लोगों की पाइप लाइन टूट गई। पता लगा है कि यह काम पीएचई विभाग द्वारा अमृत योजना के तहत गस्त का ताजिया से महाराज बाड़ा तक कराया जाएगा। इसलिए टुकड़ों में खुदाई कराई जा रही है। लेकिन इस बात का कतई ध्यान नहीं रखा जा रहा कि जहां कुछ समय पूर्व ही सड़क डामरीकरण हुआ है वहां खुदाई करने से किसे नुकसान होगा। क्योंकि यही काम सड़क बनने से पूर्व किया जाए तो निगम धन की बचत होगी और जनता भी परेशान नहीं होगी। लेकिन अधिकारियों और क्षेत्रीय पार्षद के योजना के तहत कोई काम नहीं करा पा रहे।

तांबा हुआ चोरी

यहां मजेदार बात यह है कि कुछ दिन पहले जब डीडवाना ओली में सड़क खुदाई की गई तब वहां बीएसएनएल का चेंबर निकल आया जिसमें कई क्विंटल तांबे एवं पीतल का तार था जो देखते ही देखते चोरी हो गया। बीएसएनएल के अधिकारी इससे बेखबर रहे तो वहीं पीएचई अधिकारियों ने भी पुलिस तक जाना जरूरी नहीं समझा। जिससे यह चोरी बिना किसी जांच पड़ताल के दफन हो गई। जबकि सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हुआ था।

5 क्षेत्रों में मिला संक्रमण

शहर में फिर बढ़ने लगा खसरे का खतरा कमलाराजा अस्पताल में 6 बच्चे भर्ती

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर में मीजल्स यानी खसरा ने एक बार फिर पैर पसारना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ दिनों में जयारोग्य चिकित्सालय समूह के कमलाराजा चिकित्सालय में खसरे से पीड़ित 8 बच्चों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। इनमें से दो बच्चों की हालत में सुधार होने पर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया, जबकि छह बच्चों का उपचार अभी भी पीडियाट्रिक विभाग में जारी है।

जानकारी के अनुसार भर्ती बच्चों में एक-एक बच्चा भितरवार, चीनौर, टेकनपुर, शंकरपुर और नाका चंद्रवदनी क्षेत्र से है। बच्चों में तेज बुखार, शरीर पर लाल चकत्ते, खांसी और कमजोरी जैसे लक्षण पाए गए। चिकित्सकों का कहना है कि अधिकांश मामलों में बच्चों का पूर्ण टीकाकरण नहीं हुआ था, जिसके कारण संक्रमण का खतरा बढ़ा। विशेषज्ञों का कहना है कि खसरा एक संक्रामक बीमारी है, जो तेजी से एक बच्चे से दूसरे बच्चे में फैलती है। संक्रमण बढ़ने पर निमोनिया, डिहाइड्रेशन और आंखों से संबंधित गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। छोटे बच्चों में यह बीमारी जानलेवा तक साबित हो सकती है। बाल रोग विशेषज्ञों के अनुसार खसरे से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका एमआर (मीजल्स-रूबेला) वैक्सीन है। सरकार द्वारा संचालित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत यह टीका बच्चों को निःशुल्क लगाया जाता है। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें। चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में बदलाव और टीकाकरण के प्रति लापरवाही के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बच्चों के वार्ड में विशेष निगरानी और संक्रमण नियंत्रण की व्यवस्था भी की है।

नौ माह की बच्ची में गंभीर लक्षण

शंकरपुर क्षेत्र की नौ माह की बच्ची में खसरे के गंभीर लक्षण पाए गए हैं। बच्ची के मुंह के अंदर भी गहरे लाल चकत्ते उभर आए थे, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की निगरानी में बच्ची का उपचार जारी है और फिलहाल उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। अस्पताल में जो बच्चे भर्ती हैं, उसमें एक वर्ष से कम उम्र के शिशुओं से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चे शामिल हैं।

खसरे के प्रमुख लक्षण

- तेज बुखार आना।
- शरीर पर लाल चकत्ते निकलना।
- लगातार खांसी और जुकाम।
- आंखों में लालिमा और पानी आना।
- कमजोरी और सुस्ती।
- भूख कम लगना।
- गले में दर्द और जलन।

मानव जीवन का उद्देश्य सेवा और ईश्वर की भक्ति हैः सागर आनंद

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पुरुषार्थ सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में थाटीपुर स्थित संत कबीर आश्रम में चल रही सात दिवसीय संगीतमयी कथा के छठवें दिन मंगलवार को भक्ति, सेवा और मानवता का संदेश गूंज उठा। कथा में संत शिरोमणि संत रविदास एवं संत कबीर दास के जीवन प्रसंगों पर आधारित प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

धर्म सभा को संबोधित करते हुए संत सागर आनंद महाराज ने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य सेवा, सदाचार और ईश्वर भक्ति है। संत श्री ने संत रविदास जी द्वारा सदना कसाई को दिए गए उपदेश और उनके जीवन परिवर्तन की कथा का विस्तार से वर्णन किया। संत श्री ने बताया कि सदना कसाई पहले पशु वध और बूचड़खाने के कार्य से जुड़े थे, लेकिन संत रविदास जी के सत्संग और उपदेशों ने उनके जीवन में गहरा परिवर्तन किया। अहिंसा, करुणा और भक्ति के मार्ग को अपनाकर उन्होंने हिंसा का त्याग कर दिया और भक्ति मार्ग को अपना लिया। उन्होंने कि संत रविदास जी का संदेश था कि प्रत्येक जीव में परमात्मा का वास है और मनुष्य का कर्तव्य है कि वह करुणा और सेवा के मार्ग पर चले। उनके उपदेशों से समाज में समानता और मानवता की भावना को बल मिलता है। इस मौके पर व्यास पीठ की आरती मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, भिंड-दतिया सांसद संध्या राय, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र संपर्क प्रमुख प्रवीण गुप्ता, क्षेत्र ग्राम विकास प्रमुख अनिल डागा, प्रांत सह संपर्क प्रमुख नवल शुक्ला, कैलाश जाटव, अशोक जादौन सहित कई गणमान्यजन शामिल रहे।

धरोहर कार्यशाला 7 जून को

ग्वालियर। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन की मध्यप्रदेश राज्य इकाई द्वारा अग्रवाल समाज की वैवाहिक रीति-रिवाजों, रस्मों एवं परंपराओं के संरक्षण और नई पीढ़ी तक उन्हें पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष कार्यशाला 'धरोहर' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रविवार 7 जून को संस्कृति बैंकेट हॉल मेला प्रांगण में आयोजित होगा। मंगलवार को आयोजित बैठक में संस्था के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल ने बताया कि यह कार्यशाला ग्वालियर में पहली बार आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य समाज की पारंपरिक विवाह पद्धति, नेग-चलन और मांगलिक रस्मों को संरक्षित करना है। इस अवसर पर संगठन द्वारा वैवाहिक रीति-रिवाजों और मांगलिक गीतों के संकलन पर आधारित एक महत्वपूर्ण पुस्तक 'अग्रवंश परिणय संस्कार' का विमोचन भी किया जाएगा। यह पुस्तक कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को वितरित की जाएगी। कार्यक्रम में एक विशेष डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'धरोहर' भी प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें विवाह परंपराओं को सरल और सहज तरीके से समझाया गया है। इसके साथ ही सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत समाज की महिलाओं द्वारा वैवाहिक मांगलिक गीतों पर आधारित नृत्य भी प्रस्तुत किए जाएंगे। बैठक में ज्योति अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, मनोज अग्रवाल (बाबा), अजय गोयल, सुनील गोयल, ताराचंद गर्ग, श्याम बंसल, पुरूषोत्तम गोयल, राकेश सिंघल, संजय अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, कमल गोयल, राजीव अग्रवाल, विनय अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य शामिल रहे।

तौल-कांटे कम मिलने पर समिति प्रबंधक निलंबित खरीदी प्रभारी का वेतन काटने के निर्देश

खरीदी केन्द्र पर अव्यवस्थाओं पर जिलाधीश नाराज

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में लापरवाही और अव्यवस्थाओं को लेकर जिलाधीश रुचिका चौहान ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को लक्ष्मीगंज मंडी स्थित सीडब्ल्यूसी गोदाम परिसर में हरिलीला सहकारी समिति द्वारा संचालित खरीदी केन्द्र के औचक निरीक्षण के दौरान तौल-कांटे कम मिलने और किसानों को लंबा इंतजार करने की स्थिति पर जिलाधीश ने नाराजगी जताते हुए समिति प्रबंधक रामकृष्ण साहू को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही खरीदी प्रभारी का वेतन काटने और संबंधित नोडल अधिकारी की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधीश ने पाया कि खरीदी केन्द्र पर पर्याप्त तौल-कांटे नहीं होने से किसानों को घंटों तक अपनी उपज की तुलाई के लिए परेशान होना पड़ रहा था। इस पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल तौल-कांटे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिए पेयजल, गुड़-चना और अन्य सुविधाएं बेहतर रखने को कहा। इसके अलावा उन्होंने सर्वेयरों को एफएक्यू मानकों के अनुसार गेहूं की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए और किसानों से साफ एवं छना हुआ गेहूं लाने की अपील की, ताकि तुलाई कार्य में तेजी आ सके।जिलाधीश ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदे गए गेहूं को तत्काल सुरक्षित गोदामों तक पहुंचाया जाए, जिससे बेमौसम बारिश से अनाज खराब न हो।

हर केन्द्र पर 6 तौल-कांटे रखना अनिवार्य

जिलाधीश ने चेतावनी दी कि जिले के प्रत्येक खरीदी केन्द्र पर कम से कम 6 तौल-कांटे सक्रिय रखना अनिवार्य होगा। यदि किसी केन्द्र पर किसानों को असुविधा हुई या व्यवस्थाएं अधूरी मिलीं तो संबंधित समिति प्रबंधक और अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शौर्य संकल्प योजना : 540 युवाओं की फिजिकल स्क्रीनिंग

ग्वालियर। अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना के तहत मंगवार को युवाओं की फिजिकल स्क्रीनिंग आयोजित की गई। जिसमें 421 बालकों और 119 बालिकाओं सहित कुल 540 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। चयनित युवाओं को 45 दिनों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण आईपीएस ग्रुप ऑफ कॉलेज में आयोजित होगा। प्रशिक्षण में रनिंग, ऊंची कूद, लंबी कूद, गोला फेंक और भाला फेंक जैसी शारीरिक गतिविधियों के साथ सामान्य ज्ञान, गणित, कंप्यूटर और अंग्रेजी की तैयारी भी कराई जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को आवास, भोजन और अध्ययन सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। पुरुष प्रशिक्षणार्थियों को 1 हजार रुपए और महिला प्रशिक्षणार्थियों को 1100 रुपए प्रतिमाह शिष्यवृत्ति भी दी जाएगी।

भवन अधिकारियों के कार्यों में फेरबदल

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

निगमायुक्त संघ प्रिय ने कुछ भवन अधिकारियों के कार्यों में फेरबदल किया है। जिसमें बृजकिशोर त्यागी को उपनगर ग्वालियर की सभी विधानसभा के क्षेत्र क्रमांक 1,2,3,4,5,6,7 का दायित्व दिया गया है। इसके साथ ही वीरेन्द्र शाक्य ग्वालियर पूर्व के क्षेत्र क्रमांक 11,12,13,14 से हटाते हुए ग्रामीण विधानसभा के क्षेत्र क्रमांक 24 एवं 25 पर भेजा गया है। पवन शर्मा को क्षेत्र क्रमांक 11,12,13,14 पर लाया गया है। इसके साथ ही राकेश कश्यप उपयंत्री को भवन अधिकारी के कार्य से मुक्त किया जाकर भवन शाखा के तहत कॉलोनी सेल में पदस्थ किया गया है। यहां बता दें कि यह मामला सीधे उन भवन निर्माण अनुमतियों से जुड़ा हुआ है जिसे लेकर एसीएस ने मंजूरी की फाइलें तलब की थी। लेकिन नगर निवेशक महेंद्र अग्रवाल ने बड़ी ही चतुराई के साथ दो भवन अधिकारियों को हटवा दिया, जिन्होंने तीन भवन निर्माण अनुमतियों पर हस्ताक्षर किए थे जबकि यह फाइलें उन्हीं की देखरेख में पास कराई गई थी। वैसे भी वार्ड 32 में अमृता गुप्ता पत्नी विवेक गुप्ता की भवन अनुमति को लेकर एसीएस तक पहुंची शिकायत के बाद श्री अग्रवाल और श्री कश्यप को जिम्मेदार ठहराते हुए इनकी वेतन वृद्धि रोकी गई थी। इस फाइल को लेकर इन दोनों यंत्रियों में काफी तनातनी हो गई थी, क्योंकि कश्यप तकनीकी कारण से फाइल पास नहीं कर रहे थे और अग्रवाल की जिद थी कि फाइल भवन अधिकारी पास करें। तब निगमायुक्त ने नगर निवेशक से फाइल करने को कहा था। यही कारण रहा कि नगर निवेशक ने कश्यप को हटवाने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। इस लड़ाई में नगर निवेशक अपने मकसद में कामयाब रहे। कश्यप तो हटे ही वीरेन्द्र शाक्य को भी पूर्व विधानसभा से बाहर करा दिया गया। ताकि यह बताया जा सके कि नाला निर्माण अनुमति देने पर दोनों को चलता किया गया है।

पंचायत और नगरीय निकायों की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू

ग्वालियर, न.सं.। जिले में पंचायतों और नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने निर्धारित कार्यक्रम के तहत पुनरीक्षण कार्य संपादित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। 1 जनवरी 2026 की विधानसभा मतदाता सूची के आधार पर प्रारूप मतदाता सूची तैयार की गई है। इन सूचियों पर 15 मई से 25 मई तक दावे और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। इसके लिए नगरीय निकायों में वार्ड स्तर और ग्राम पंचायतों में प्राधिकृत कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन के लिए निर्धारित फार्म भरकर आवेदन कर सकेंगे। फार्म निःशुल्क उपलब्ध रहेंगे और आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। मतदाता अपना नाम ऑनलाइन भी देख सकते हैं।

जनगणना कार्य की धीमी रफ्तार पर निगम आयुक्त ने जताई नाराजगी

सिर्फ 50 एचएलबी में पूरा हुआ काम, लापरवाही पर नोटिस देने के निर्देश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य शहरी क्षेत्र में बेहद धीमी गति से चल रहा है। स्थिति यह है कि अब तक नगर निगम क्षेत्र के केवल 50 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) में ही कार्य पूरा हो सका है। कार्य की सुस्त रफ्तार पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने कड़ी नाराजगी जताई है। मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने सभी सुपरवाइजरों, प्रगणकों और चार्ज अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तय समय से पहले जनगणना कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अपर आयुक्त मुनीष सिंह सिकरवार और उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव को निर्देश दिए कि प्रतिदिन गूगल मीट के माध्यम से कार्य की समीक्षा और मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही जिन कर्मचारियों की प्रगति संतोषजनक नहीं है, उन्हें तत्काल नोटिस जारी किए जाएं। आयुक्त ने कहा कि यदि इसी गति से काम चलता रहा तो जनगणना कार्य निर्धारित समय सीमा से पीछे हो सकता है। उन्होंने सभी प्रगणकों से घर-घर सर्वे कार्य में तेजी लाने और डेटा संकलन समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

15 मई तक भवन गणना पूरी करने के निर्देश

नगर निगम आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि 15 मई तक भवन गणना का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। जिन प्रगणकों का कार्य अब तक 70 प्रतिशत भी पूरा नहीं हुआ है, उन्हें नोटिस जारी करने के निर्देश चार्ज अधिकारियों को दिए गए हैं। साथ ही 20 मई तक समस्त डेटा जनगणना पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

शहरी क्षेत्र में फिर बढ़ाए गए एचएलबी

शहरी क्षेत्र में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) की संख्या एक बार फिर बढ़ा दी गई है। पहले नगर निगम क्षेत्र में 1980 एचएलबी थे, जिन्हें अब बढ़ाकर 1994 कर दिया गया है। कई ब्लॉकों में एक हजार से अधिक मकानों को शामिल किए जाने के कारण यह निर्णय लिया गया।

गरीब युवतियों के विवाह की ली शपथ

ग्वालियर। जैन समाज की संस्था जैन मिलन महिला नेमीनाथ शाखा दाना ओली द्वारा मंगलवार को हुजरात चौराहे स्थित एक होटल में शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवीन कार्यकारिणी ने समाज सेवा, शिक्षा, चिकित्सा शिविर और गरीब युवतियों के विवाह में सहयोग करने का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण की। शपथ नवनिर्वाचित अध्यक्ष रेखा जैन, सचिव हेमा जैन एवं कोषाध्यक्ष निधि जैन ने ली। संचालन सारिका जैन और आभार हेमा जैन ने व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष नीलम जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने वर्षभर सहयोग करने वाले 55 सदस्यों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

आवारा श्वान के हमले में घायल मासूम के सिर में लगे 12 टांके

ग्वालियर। गोपालपुरा इलाके में आवारा श्वान के हमले का शिकार हुई तीन वर्षीय मासूम मानवी की सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मंगलवार को गंभीर घाव की सफल सर्जरी की। करीब एक घंटे तक चले ऑपरेशन के दौरान पीडियाट्रिक सर्जन की टीम ने बच्ची के सिर में एक दर्जन टांके लगाए। फिलहाल बच्ची की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसे अगले 72 घंटे तक विशेष निगरानी में रखा जाएगा। चिकित्सकों के अनुसार हमला बेहद खतरनाक था। आवारा श्वान ने बच्ची के सिर को अपने जबड़ों में जकड़कर सिर की खाल और मांस को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया था। चिकित्सकों ने बताया कि यदि श्वान के दांत सिर की हड्डी या दिमाग तक पहुंच जाते तो स्थिति जानलेवा हो सकती थी। गनीमत यह रही कि चोट सिर की ऊपरी परत तक ही सीमित रही और दिमाग सुरक्षित बच गया। उल्लेखनीय है कि गोपालपुरा निवासी कमल सिंह श्रीवास की बेटी मानवी सोमवार को घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान एक आवारा श्वान ने पीछे से हमला कर उसे जमीन पर गिरा दिया था। श्वान बच्ची के सिर को बुरी तरह नोचता रहा। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे श्वान के चंगुल से छुड़ाया।

नेचुरोपैथी में कॅरियर बनाकर लोगों का कर सकते हैं प्राकृतिक रूप से इलाज

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित कि को समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।

संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूटिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा साइंस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छतीसगढ़।

हिमाचल की इस झील में छिपा है अरबों का खजाना

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्त्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्रचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज। हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।

हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं, हालांकि कोरोना काल के चलते फिलहाल मेले का आयोजन नहीं हो रहा है।

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं।

नीदरलैंड्स में ट्यूलिप के फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

असली रंगों की नकली तस्वीर

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया।

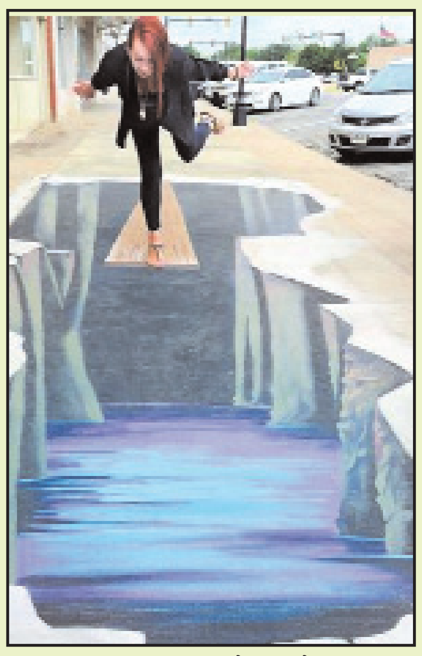

चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार सुदर्शन-सुंदर के अर्धशतक, रबाडा और होल्डर को 3-3 विकेट

गुजरात के सामने हैदराबाद ने टेके घुटने, 82 रनों से मैच जीत गुजरात बनी नंबर-1

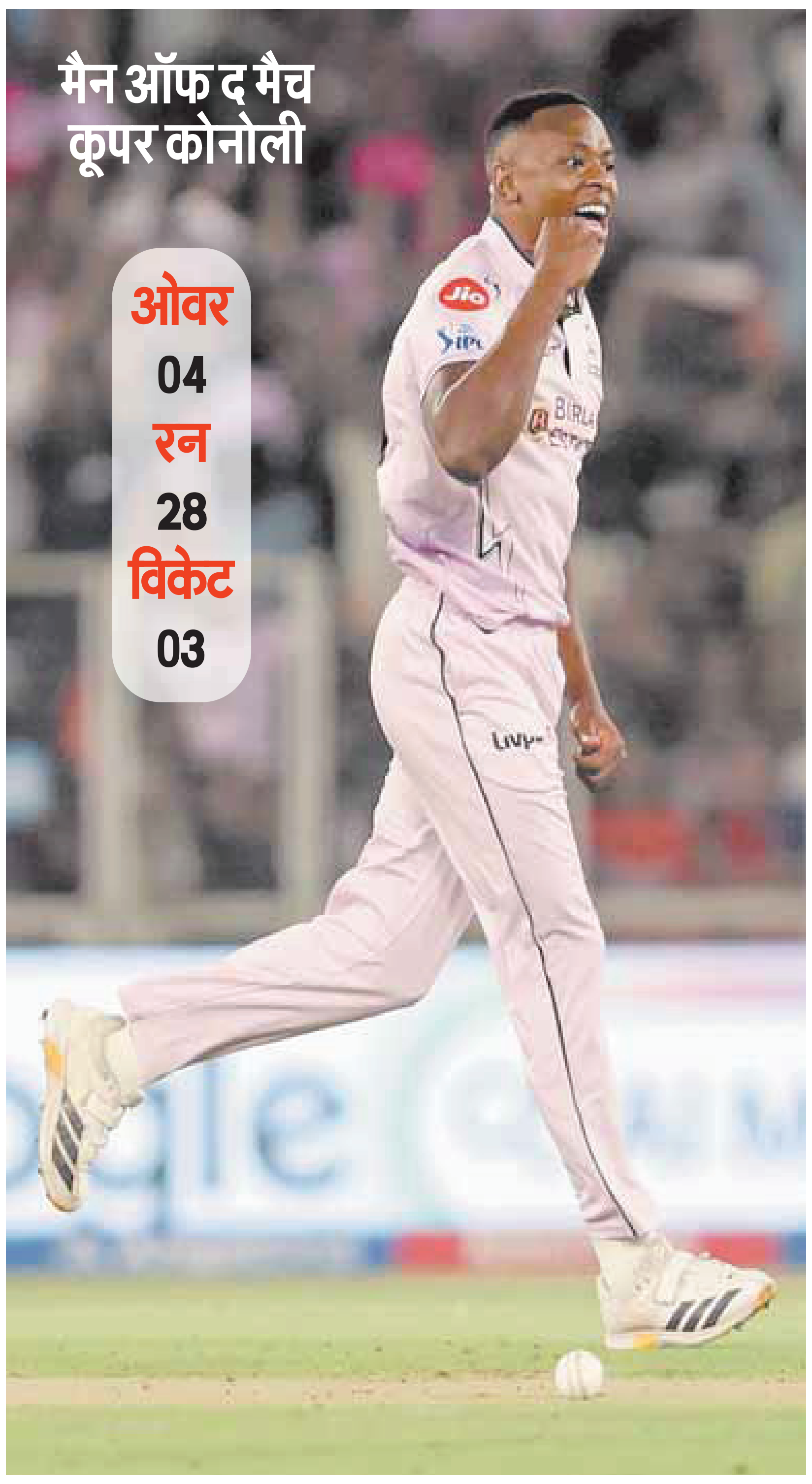

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में लगातार पांचवीं जीत हासिल कर ली। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ गुजरात 16 पॉइंट्स के साथ टेबल के टॉप पर पहुंच गई हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर हैदराबाद ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन बनाए। साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने 33 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। हैदराबाद से प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने 2-2 विकेट लिए। उनके अलावा पैट कमिंस को एक विकेट मिला। जवाब में हैदराबाद 14.5 ओवर में 86 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए कप्तान पैट कमिंस ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाए। गुजरात के लिए कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 3-3 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा को 2 सफलता मिली।

गुजरात टाइटंस की पारी

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी गुजरात टाइटंस ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 168 रन बनाए। इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जीटी ने 26 के स्कोर तक कप्तान शुभमन गिल (5) और जोस बटलर (7) के विकेट गंवा दिए थे। यहां से साईं सुदर्शन ने निशांत संधु के साथ तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 38 रन जुटाकर टीम को संभाला। निशांत 14 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद सुदर्शन ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों में 60 रन की साझेदारी की। सुदर्शन 44 गेंदों में 61 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 2 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। टीम ने 124 के स्कोर पर अपना चौथा विकेट खो दिया था, जिसके बाद जेसन होल्डर ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ 21 गेंदों में 40 रन जुटाकर जीटी को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। इस पारी में वॉशिंगटन ने 33 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 50 रन बनाए।

होल्डर-रबाडा ने किया हैदराबाद को पस्त

रनचेज में सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही। हैदराबाद ने पावरप्ले में ही 4 विकेट खो दिए। मोहम्मद सिराज ने ट्रेविस हेड को खाता भी नहीं खोलने दिया। वहीं कगिसो रबाडा ने अभिषेक शर्मा (6 रन), ईशान किशन (11 रन) और स्मरण रविचंद्रन (9 रन) के विकेट झटके। स्मरण के आउट होने के समय हैदराबाद का स्कोर 32/4 था। सलिल अरोड़ा ने कुछ अच्छे शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन उनकी ज्यादा देर तक नहीं चली। सलिल (16 रन) को प्रसिद्ध कृष्णा ने चलता किया।

86 रन पर ऑल आउट हुई हैदराबाद की टीम

169 रन के टारगेट का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 14.5 ओवर में महज 86 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाए। कोई भी खिलाड़ी 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। गुजरात टाइटंस के लिए 3-3 विकेट रबाडा और जेसन होल्डर ने लिए। 2 विकेट इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आए तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने लिए। 1-1 विकेट सिराज और राशिद खान ने लिए।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	बॉल	4s	6s
सुदर्शन के हिंगे बो साकिब	61	44	5	2
गिल के क्लासेन बो हिंगे	5	7	1	0
बटलर के ईशान बो हिंगे	7	11	1	0
सिंधु के क्लासेन बो कमिंस	22	14	3	1
सुंदर के ईशान बो साकिब	50	33	7	1
जेसन होल्डर नाबाद	11	10	0	0
राहुल तेवतिया नाबाद	4	1	1	0

कुल : 168/5 (20)
गेंदबाजी: मपैट कमिंस (4-0-20-1), नीतीश कुमार रेड्डी (3-0-27-0), प्रफुल्ल हिंगे (3-0-17-2), ईशान मलिंगा (4-0-46-0), साकिब हुसैन (4-0-37-2), शिवांग कुमार (2-0-19-0)

सनराइज़र्स हैदराबाद	रन	बॉल	4s	6s
हेड के निशांत बो सिराज	0	4	0	0
अभिषेक बोल्ड रबाडा	6	4	0	1
ईशान के बटलर बो रबाडा	11	7	1	1
स्मरण के गिल बो रबाडा	9	15	1	0
क्लासेन के बटलर बो होल्डर	14	16	2	0
सलील के बटलर बो कृष्णा	16	13	3	0
नीतीश के सुंदर बो होल्डर	2	4	0	0
कमिंस के सिराज बो कृष्णा	13	6	1	1
शिवांग के बटलर बो होल्डर	4	6	0	0
हिंगे स्टंम्प बटलर बो राशिद	3	8	0	0
ईशान मलिंगा नाबाद	0	3	0	0

कुल : 86/10 (14.5)
गेंदबाजी: मोहम्मद सिराज (3-1-11-1), कगिसो रबाडा (4-0-28-3), जेसन होल्डर (4-0-20-3), प्रसिद्ध कृष्णा (3-0-23-2, राशिद खान (0.5-0-3-1)

दिल्ली ने अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया

मैच में फास्ट बॉलर्स ने 39 ओवर फेंके, अक्षर की चौके से फिफ्टी पूरी

धर्मशाला, एजेंसी

IPL में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हरा दिया। धर्मशाला के HPCA स्टेडियम में टीम ने 211 रन का टारगेट हासिल कर IPL इतिहास का अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज पूरा किया।

मैच में तेज गेंदबाजों ने कुल 39 ओवर डाले। यह IPL इतिहास में दूसरा सबसे ज्यादा है। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की।

पंजाब IPL इतिहास में सबसे ज्यादा बार 200+ स्कोर डिफेंड करते हुए हारने वाली टीम बन गई है। दिल्ली के खिलाफ हार के साथ टीम ने 9वीं बार 200+ टारगेट बचाने में नाकामी झेली। इस लिस्ट में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 7 हार के साथ दूसरे नंबर पर है।

पंजाब ने IPL 2026 में सातवीं बार विरोधी टीम को 200+ रन बनाने दिए। टीम अब एक सीजन में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर देने वाली टीमों की सूची में शामिल हो गई है। इस लिस्ट में हैदराबाद, राजस्थान और लखनऊ भी 7-7 बार 200+ स्कोर दे चुकी हैं। दिल्ली ने IPL इतिहास का अपना दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज पूरा किया। इससे पहले टीम ने इसी सीजन जयपुर में राजस्थान के खिलाफ 226 रन का टारगेट चेज किया था।

दिल्ली ने धर्मशाला में 211 रन का लक्ष्य हासिल कर इतिहास रच दिया। IPL में धर्मशाला के मैदान पर पहली बार किसी टीम ने 200+ रन का सफल पीछा किया। इससे पहले यहां सबसे बड़ा सफल रनचेज चेन्नई ने 2010 में पंजाब के खिलाफ 193 रन का किया था।

पंजाब और दिल्ली के बीच तेज गेंदबाजों ने कुल 39 ओवर फेंके। यह IPL इतिहास में किसी मैच में पेसर्स द्वारा डाले गए दूसरे सबसे ज्यादा ओवर हैं। इस लिस्ट में टॉप पर 2008 में बेंगलुरु में खेले गए RCB और CSK का मैच है, जहां तेज गेंदबाजों ने 39.4 ओवर डाले थे।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने चिली के विदेश मंत्री की से मुलाकात

खेल संवाददाता, भोपाल।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को चिली गणराज्य के विदेश मंत्री फ्रांसिस्को पेरेज मैककेना और चिली प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-चिली व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते-सीईपीए की वार्ता की प्रगति की समीक्षा की। चर्चा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया गया। चिली के साथ भारत की दीर्घकालिक साझेदारी की पुष्टि करते हुए श्री गोयल ने कहा है कि सरकार साझा विकास और समृद्धि के लिए आर्थिक सहयोग और संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

टिम डेविड पर मैच फीस का 30% जुर्माना

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड को मुंबई इंडियंस के खिलाफ

मैच में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट उल्लंघन का दोषी पाया गया है। मैच रेफरी ने उन पर मैच फीस का 30% जुर्माना लगाया। साथ ही दो डिमेरिट पॉइंट्स भी दिए हैं। आईपीएल के आधिकारिक बयान के अनुसार, टिम डेविड को लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया है। उन पर 'अश्लील, आपत्तिजनक या अपमानजनक इशारा' करने का आरोप है। उन्होंने मुंबई इंडियंस की ड्रेसिंग रूम की ओर ऊंगली उठाकर इशारा किया था। इस हार के साथ मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है।

सिर्फ बैटिंग करके आराम नहीं कर सकते

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मंजरेकर ने आईपीएल के इम्पेक्ट प्लेयर

नियम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि यह नियम युवा खिलाड़ियों के ऑलराउंड विकास पर असर डाल रहा है। मांजरेकर ने खास तौर पर वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि राजस्थान रॉयल्स उन्हें ज्यादातर इम्पेक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल कर रही है, जिससे उनके खेल का सिर्फ बल्लेबाजी वाला पक्ष ही सामने आ रहा है। मांजरेकर ने कहा कि क्रिकेट का असली दबाव तभी समझ आता है जब खिलाड़ी मैदान पर फील्डिंग भी करे।

यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में द्रविड़ ने खरीदी टीम

डबलिन। पूर्व भारतीय कप्तान और टी20 विश्व कप विजेता कोच राहुल द्रविड़ को यूरोपियन टी20 लीग (ईटीपीएल) की टीम डबलिन गार्डियंस का मालिक घोषित किया गया है। यह ईटीपीएल की छह टीमों में से एक है, जो अगस्त 2026 में शुरू होने वाली छह टीमों की लीग में हिस्सा लेगी। क्रिकेट आयरलैंड, क्रिकेट स्कॉटलैंड और रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन के साथ साझेदारी में शुरू की गई इस लीग में डबलिन, बेलफ़ास्ट, एडिनबर्ग, ग्लासगो, रोटडर्म और एम्स्टडर्म की टीमें शामिल हैं। यह यूरोप की पहली आईसीसी-मान्यता प्राप्त बहु-देशीय फ्रेंचाइजी टी20 लीग भी है।

सिनर जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी से सिर्फ एक जीत दूर

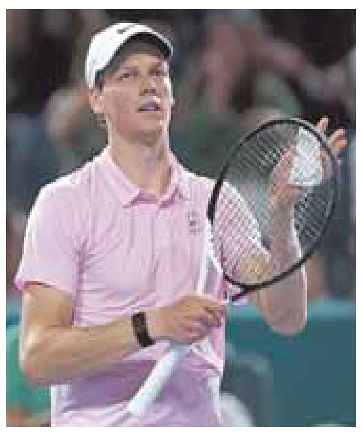

इटली। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने इटेलियन ओपन में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपरीन को सीधे सेटों में हराकर एटीपी मास्टर्स 1000 में अपनी लगातार जीतों का आंकड़ा 30 तक पहुंचा दिया। अब सिनर, नोवाक जोकोविच के 2011 में बनाए गए लगातार 31 मास्टर्स 1000 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

शुरुआत से ही मैच पर बनाया दबदबा

घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे सिनर ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने शुरुआती गेम में ही पोपीरिन की सर्विस तोड़ दी और पहले सेट में बेसलाइन रैलियों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। सिनर ने पहला सेट सिर्फ 39 मिनट में 6-2 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में पूरी तरह एकतरफा मुकाबला

दूसरे सेट में भी सिनर ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। टॉप सीड खिलाड़ी ने लगातार छह गेम जीतते हुए 6-0 से सेट और मैच अपने नाम किया और राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। मैच के बाद सिनर ने कहा, 'वह काफी अच्छे सर्वर हैं, लेकिन उनकी फर्स्ट सर्विस का प्रतिशत ज्यादा नहीं था, जिससे मुझे मदद मिली। मैं उनकी दूसरी सर्विस पर अच्छा रिटर्न खेल पाया और अगले दौर में पहुंचकर बेहद खुश हूं।

जोकोविच के खास क्लब में शामिल हुए सिनर

इस जीत के साथ सिनर, जोकोविच के बाद ऐसे दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने किसी सीजन के पहले 25 Masters 1000 मुकाबले जीते हैं। अब सभी की नजर उनके अगले मुकाबले पर रहेगी, जहां वह अपने ही देश के आंद्रेया पेलेग्रिनो से भिड़ेंगे।

विश्वकप छोड़ना खिलाड़ियों के साथ अन्याय, मन्हास से पुरानी दोस्ती

बीसीसीआई से कोई विवाद नहीं : तमीम

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अंतरिम अध्यक्ष और पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हटने के फैसले को एक बड़ी प्रशासनिक चूक बताया है। इंटरव्यू में तमीम ने कहा कि पिछली सरकार और बोर्ड ने जिस तरह से इस मुद्दे को संभाला, वह सही नहीं था। 37 साल के पूर्व ओपनर इकबाल ने कहा कि बीसीसीआई और भारत के साथ अब उनके कोई मतभेद नहीं हैं और वे द्विपक्षीय संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने BCCI के प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास को अपना पुराना दोस्त बताया। उन्होंने कहा- 'मैंने मिथुन के साथ बहुत क्रिकेट खेला है। IPL में हम एक ही टीम में थे और वे ढाका लीग खेलने कई बार बांग्लादेश आए हैं। हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है।'

कहा- वर्ल्ड कप से नाम वापस लेना गलत

तमीम ने वर्ल्ड कप से नाम वापस लेने के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, ₹हमने

1996-97 में वर्ल्ड कप क्वालीफाई करने के लिए कितना संघर्ष किया था, मुझे आज भी याद है। बिना किसी ठोस बातचीत के वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से नाम वापस लेना गलत था। टीम में ऐसे कई खिलाड़ी होंगे जो शायद अब दोबारा कभी वर्ल्ड कप न खेल पाएं। सुरक्षा को लेकर कोई वास्तविक खतरा नहीं था, भारत में हमारे खिलाड़ियों का हमेशा स्वागत होता है।₹

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कानून की मांग

की तमीम इकबाल ने खेल में भ्रष्टाचार और सट्टेबाजी को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा- 'मैंने खेल मंत्री और गृह मंत्री से बात की है। मैं चाहता हूं कि खेल में भ्रष्टाचार करने वालों के लिए 10 साल की जेल का कानून बने। खिलाड़ियों और बच्चों को यह समझ आना

नई सरकार का रुख: 'भारत से सुधरेंगे रिश्ते'

बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद खेल मंत्री अमीनुल हक ने स्पष्ट किया है कि वे भारत के साथ खेल संबंधों को फिर से सुधारना चाहते हैं। उन्होंने संसद में कहा कि पिछली सरकार और बोर्ड ने इस मुद्दे को जिस तरह से संभाला, उसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। दिलचस्प बात यह है कि चुनाव से ठीक पहले पूर्व खेल सलाहकार आसिफ नजरूल अपने बयान से पलट गए थे और इस पूरी विफलता का ठीकरा खिलाड़ियों पर फोड़ दिया था।

मीरपुर टेस्ट

बांग्लादेश ने पहली बार घर में पाक को हरायाा

ढाका। बांग्लादेश ने पहली बार घर में पाकिस्तान को हरा दिया है। टीम ने मीरपुर टेस्ट में 104 रन से जीत हासिल की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही बांग्लादेशी टीम ने पहली पारी में 413 रन बनाए। कप्तान नजमुल शांतो ने सेंचुरी जमाई। पाकिस्तान की तरफ से डेब्यू कर रहे ओपनर अजान अवैस ने शतक लगाया और पाकिस्तान ने पहली पारी में 386 रन बनाए। बांग्लादेश को 27 रन की बढ़त मिली। टीम ने दूसरी पारी 240/9 पर डिक्लेयर की और पाकिस्तान को 268 रन का टारगेट दिया। मंगलवार को नाहिद राणा के 5 विकेट की बदौलत पाकिस्तान दूसरी पारी में 163 रन ही बना सका। अब्दुल फजल ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए।

नाहिद ने अफरीदी को आउट करके जीत दिलाई

पाकिस्तान की दूसरी पारी के 53वें ओवर में नाहिद राणा ने शाहीन अफरीदी को आउट कर बांग्लादेश को ऐतिहासिक जीत दिलाई। शॉर्ट गेंद पर शाहीन पुल शॉट खेलने की कोशिश में फंस गए। गेंद उनके ग्लव्स से लगकर हवा में गई, जहां मोमिनुल हक ने आसान कैच पकड़ा। शाहीन ने डीआरएस लिया, लेकिन रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद ग्लव्स से लगी थी।

फीफा के फ्री प्रसारण की मांग, दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रसार भारती को भेजा नोटिस

दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने फीफा विश्व कप 2026 के भारत में प्रसारण को लेकर केंद्र सरकार और प्रसार भारती को नोटिस जारी किया है। याचिका में मांग की गई है कि फुटबॉल विश्व कप का प्रसारण देश में फ्री-टू-एयर प्लेटफॉर्म जैसे दूरदर्शन और डीडी स्पोर्ट्स पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि करोड़ों भारतीय फैंस टूर्नामेंट देख सकें। फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक होना है, लेकिन अभी तक भारत में किसी ब्रॉडकास्टर ने टूर्नामेंट के मीडिया राइट्स नहीं खरीदे हैं। ऐसे में देश के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसक विश्व के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को देखने से वंचित हो सकते हैं।

ब्रॉडकास्ट राइट्स की कीमत भी घटी

याचिका के अनुसार फीफा ने शुरुआत में भारत के लिए 2026 और 2030 विश्व कप के ब्रॉडकास्ट राइट्स की कीमत लगभग 100 मिलियन डॉलर रखी थी। लेकिन ब्रॉडकास्टर्स की कम रुचि के कारण यह कीमत घटाकर करीब 35 मिलियन डॉलर कर दी गई। इसके बावजूद अब तक कोई अंतिम समझौता नहीं हो पाया है।

शुभारंभ विश्वास सारंग ने किया ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का शुभारंभ

खेल मैदान से व्यक्तित्व निर्माण तक समग्र विकास हमारा लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

सात्विकसाईराज सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का शुभारंभ किया। मंत्री श्री सारंग ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल मैदान से व्यक्तित्व निर्माण तक समग्र विकास हमारा लक्ष्य है। इस वर्ष शिविर को पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़ाते हुए समग्र व्यक्तित्व विकास के दृष्टिकोण से नया स्वरूप और नया नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि आरोह का अर्थ है निरंतर आगे बढ़ना यानि शिखर की ओर निरंतर प्रगति करना। इसी भावना के साथ यह शिविर युवाओं को खेल कौशल के साथ जीवन कौशल भी सिखाएगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आरोह में खेल प्रशिक्षण के साथ विद्यार्थिंयों

के सर्वांगीण विकास केंद्रित गतिविधियां शामिल की गईं हैं। हमारा उद्देश्य एक ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो शारीरिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से जागरूक हो। मंत्री श्री सारंग ने आगे कहा कि शिविर में विभिन्न आयामों में प्रदेश भर में विद्यार्थियों के लिए गतिविधियों आयोजित की जाएंगी। जिससे विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा।इस वर्ष आरोह में होने वाली प्रमुख गतिविधियाँइस वर्ष आरोह में खेल गतिविधियाँ, फिटनेस एवं स्वास्थ्य जागरूकता, व्यक्तित्व एवं नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन गतिविधियाँ, सामाजिक एवं पारिवारिक जुड़ाव, नशा मुक्ति, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता सहित करियर मार्गदर्शन गतिविधियों को शामिल कर विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान मलखंभ और रस्साकस्सी की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में खेल और युवा कल्याण विभाग के अपर सचिव श्री अजय श्रीवास्तव, संचालक श्री अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव, विभागीय अधिकारी गण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम घोषित, मेसी शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 55 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का ऐलान कर दिया है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में अगले महीने शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनेल मेसी को भी स्क्वॉड में शामिल किया गया है। हालांकि मुख्य कोच लियोनेल स्कॉलोनी ने साफ किया है कि वर्ल्ड कप में मेसी के खेलने का अंतिम फैसला पूरी तरह इंटर मियामी के इस स्टार फॉरवर्ड पर निर्भर करेगा। वहीं स्टार खिलाड़ी पाउलो

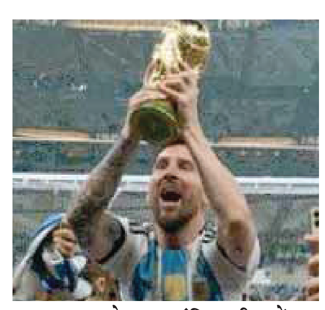

डायबाला को इस प्रारंभिक टीम में जगह नहीं मिली है, जिसने फुटबॉल फैंस को चौंका दिया। अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप जे में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला अल्जीरिया, ऑसट्रिया और जॉर्डन से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ करेगी।

रिश्तों में टूट : पिता ने नाबालिग बेटे को मारी गोली

निशाना चूकने के कारण बाल-बाल बचा बालक, आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

भोपाल (नगर संवाददाता)

अशोका गार्डन में पारिवारिक कलह के चलते एक नाबालिग को उसके ही पिता ने लाइसेंसी बंदूक से गोली मार दी। चलाई गई गोली शरीर के नजदीक से निकलकर दीवार से टकराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसकी वारदात में इस्तेमाल लाइसेंसी रायफल भी जब्त कर ली है।

पुलिस के अनुसार शांति स्वरूप चौरसिया मूलतः ग्वालियर के रहने वाले हैं। उनकी वहां पर मनिहारी की दुकान भी है। यहां एकतापुरी में भी उनका एक मकान है। जिसमें पत्नी और दो बच्चे भी रहते हैं। भोपाल में शांति स्वरुप चौरसिया का एक अन्य मकान भी है। वह भोपाल-ग्वालियर आता-जाता रहता है। पत्नी और बच्चों के साथ उसकी नहीं बनती है। एकतापुरी वाले मकान में एक कमरा है जिसके ताले की चाबी लगाकर वह रखता है। वारदात सोमवार रात लगभग 11 बजे हुई। आरोपी कार से घर पहुंचा। उसने भोपाल के ही एक अन्य मकान का किराया पत्नी से मांग लिया। पत्नी का कहना था कि वह उसको घर खर्च के लिए पैसा नहीं देता है। इसलिए उस मकान के किराए से वह काम चलाती है। इसके अलावा पति की कंजूसी के चलते नाबालिग बेटों को उनकी मां के साथ सिलाई भी करना पड़ता है। इसी कलह के चलते शांति स्वरुप चौरसिया से विरोध जताते हुए बेटे ने जवाब दे दिया। जिस कारण उसने अपने पास कार में रखी लायसेंसी रायफल से गोली निकालकर बेटे को मारने के उद्देश्य से चला दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

शिक्षिका ने हाथ की नस काटकर दी जान, सहपाठी को आत्मघाती कदम उठाने से पहले भेजा संदेश

भोपाल (नगर संवाददाता)

पारिवारिक कलह के चलते एक निजी स्कूल की शिक्षिका ने अपने हाथ की नस काटकर खुदकुशी कर ली। मामले की जांच अशोका गार्डन थाना पुलिस कर रही है। जिसको शुरुआती जांच में माता-पिता के घरेलू कलह के चलते परेशान होने के बारे में सुराग मिले हैं। हालांकि किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण आत्महत्या की ठोस वजह अभी पता नहीं चल सकी है।

पुलिस के अनुसार ख्याति जैन पिता महेंद्र जैन उम्र 19 साल वर्धमान ग्रीन कॉलोनी में किराए से रहती थी। उसके मामा भी भोपाल में रहते हैं। ख्याति जैन एक निजी स्कूल में शिक्षिका थी। वह मूलतः सीहोर जिले के रहने वाली थी। उसने सोमवार दोपहर अपने साथ स्कूल के एक सहपाठी तनिष्क चंद्रवंशी को मोबाइल पर खुदकुशी करने के लिए मैसेज भेजा था। जिसकी जानकारी उसने परिजनों के अलावा पुलिस को भी दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा तोड़ना पड़ा। भीतर पुलिस ने देखा कि बाएं हाथ की नस कटी हुई है। चाकू नजदीक पड़ा हुआ था और पास में एंड्रायड मोबाइल था। उसमें पैटर्न लॉक होने के कारण उसे खोला नहीं जा सका। अशोका गार्डन पुलिस ने सोमवार रात मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच एएसआई बोहरन सिंह कर रहे हैं।

सामाजिक परिवर्तन के वाहक बनें विश्वविद्यालय

भोपाल। विद्यार्थियों का सर्वांगीण हित, हमारी प्राथमिकता है। विद्यार्थियों को सरलता और सुलभता से सुविधाएं उपलब्ध हो, इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। समस्त विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों की अंकसूची, उपाधि एवं अन्य शैक्षणिक दस्तावेजों की डिजिलॉकर में उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे विद्यार्थियों को सुरक्षित, प्रमाणित एवं सरल डिजिटल सेवाओं का लाभ मिल सके।

जनगणना 2027 : 1.84 करोड़ से अधिक मकानों की गणना पूरी

- रायसेन जिले में फील्ड कार्य किया गया पूरा

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज़ी से जारी है। 1 मई 2026 से शुरू हुआ यह अभियान 30 मई 2026 तक चलेगा। अब तक प्रदेश में 1 करोड़ 84 लाख 92 हजार 860 मकानों की गणना पूरी की जा चुकी है। रायसेन जिला इस कार्य को पूर्ण करने वाला पहला जिला बन गया है।

सचिव गृह विभाग एवं जनगणना की नोडल अधिकारी श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। प्रगणक घर-घर जाकर मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से जानकारी एकत्र कर रहे हैं। पूरी प्रक्रिया डिजिटल तरीके से संचालित होने से पारदर्शिता, गुणवत्ता और कार्य की गति में सुधार हुआ है।

स्व-गणना में भी लोगों ने दिखाई भागीदारी

प्रदेश में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया भी चलाई गई थी। इस दौरान 7 लाख 46 हजार 158 परिवारों ने स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर जनगणना अभियान में सक्रिय सहयोग दिया।

सहयोग की अपील

राज्य शासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रगणकों को सही एवं आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। जनगणना से प्राप्त आंकड़े सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पंजीकृत श्रमिकों के लिए संजीवनी बनीं शासकीय योजनाएं

भोपाल। प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक कल्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रम विभाग और विभिन्न बोर्ड्स के माध्यम से अब श्रमिकों को जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक हर कदम पर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इनमें प्रसूति सहायता 16 हजार, बेटियों के विवाह के लिये अनुदान 49 हजार रूपये और 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क चिकित्सा लाभ (आयुष्मान भारत) शामिल है।

इसके अतिरिक्त श्रमिकों के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने के लिए 'विदेश अध्ययन योजना' के तहत 40 हज़ार डॉलर तक की सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही अधिकतम 10 हजार यू.एस. डॉलर प्रतिवर्ष बतौर वार्षिक निर्वाह भत्ता भी प्रदान किया जाता है।

प्रदेश के पुलिसकर्मियों को 15 दिन में मिलेगा कार्यवाहक उच्च पद प्रभार

- डीजीपी ने तीन दिन में समितियों का गठन करने कहा
- सीआर, सेवा की जानकारी मांगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

पुलिस महकमे में उच्च पद का कार्यवाहक प्रभार देने के लिए पुलिस मुख्यालय ने 15 दिन में कार्यवाही पूरी करने को कहा है। पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस इकाइयों से कहा है कि तीन दिन में इससे संबंधित समितियों का गठन कर कार्यवाहक प्रभार देने के निर्देश जारी किए हैं और सभी से कार्यवाही की रिपोर्ट भी मांगी है। पुलिस मुख्यालय ने पुलिस विभाग में रिक्त पदों पर 'कार्यवाहक पद का उच्च प्रभार' देने की कार्यवाही तेज करने के निर्देश जारी किए हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा सभी विशेष पुलिस महानिदेशकों, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस आयुक्त इंदौर-भोपाल तथा सभी इकाई प्रमुखों को इस मामले में कार्रवाई करने को कहा गया है। पीएचक्यू के ताजा निर्देशों के अनुसार डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा है कि आरक्षक से निरीक्षक स्तर तक तथा लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों को उच्च पद का कार्यवाहक प्रभार प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता से पूरी की जाएगी। इसके लिए जिला एवं रेंज स्तर पर समितियों का गठन तीन दिवस के भीतर करने तथा 15 दिनों के अंदर कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

समयमान वेतनमान, सीआर व सेवा विवरण की कार्यवाही एक हफ्ते में करें-पुलिस मुख्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समयमान वेतनमान, गोपनीय चरित्रावली तथा सेवा विवरण की प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर पूरी कर जानकारी मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए। इसको लेकर पीएचक्यू ने 6 मई को निर्देश जारी कर इसके लिए तैयारी करने को कहा था। करीब 11 महीने पहले तक विभाग में यह व्यवस्था बंद रही है। पिछले साल 17 जून को मोहन यादव कैबिनेट द्वारा पदोन्नति के नए नियमों को मंजूरी दिए जाने और 19 जून 2025 को नियमित पदोन्नति संबंधी अधिसूचना जारी होने के बाद इस प्रक्रिया को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया था। 6 मई को जारी निर्देश में स्पेशल डीजी प्रशासन आदर्श कटियार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चूंकि अब जबलपुर उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका क्रमांक 13393/2026 में 23 अप्रैल 2026 को पारित आदेश में उच्च पदों पर कार्यवाहक प्रभार दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसलिए न्यायालय के आदेश के पालन में पुलिस मुख्यालय ने यह प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंत्री प्रहलाद पटेल ने सुनीं समस्याएं

- कार्यकर्ताओं से संवाद कर कई मामलों का कराया त्वरित निराकरण

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान कराया।

संवाद कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने स्थानीय समस्याओं, जनहित के मुद्दों और विभागीय मामलों को मंत्री के समक्ष रखा। मंत्री श्री पटेल ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर निराकरण सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजा गया है, ताकि शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मंत्री श्री पटेल ने कार्यकर्ताओं की कठिनाइयों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें जल्द समाधान का भरोसा दिलाया।

[आयोजन] फेडेरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का शपथग्रहण समारोह आयोजित

मजदूर और उद्योगपति के बीच का संबंध हितों के टकराव की जगह आपसी समन्वय का होना चाहिए

- उद्योगपतियों के हित में किया निरंतर सहयोग

भोपाल (नगर संवाददाता)

मजदूर और उद्योगपति के बीच का संबंध हितों के टकराव की जगह आपसी समन्वय का होना चाहिए और इसे वास्तविकता में बदलना सरकार की प्राथमिकता है। फेडेरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देने वाला प्रमुख स्तंभ है। प्रदेश के स्थानीय और युवा उद्योगपतियों को नई दिशा दी है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल फेडरेशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के आयोजन और उद्योगों को दिए जा रहे नीतिगत प्रोत्साहन से प्रदेश के छोटे उद्यमियों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में एक नया आत्मविश्वास जागा है, जिससे अब गांव का व्यक्ति भी उद्योग लगाने का साहस जुटा रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप भी समारोह में शामिल हुए और उन्होंने भी संबोधित किया।

मंत्री श्री पटेल ने फेडरेशन के प्रतिनिधियों को श्रम संबंधी विभागीय समितियों में सक्रिय भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने 'श्री' जैसी पहलों का उल्लेख किया, जो श्रम और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर अनावश्यक प्रशासनिक हस्तक्षेप को कम करने का कार्य कर रही हैं। मंत्री श्री पटेल ने उद्योगों की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्किल मैपिंग पर विशेष बल दिया और उद्योगपतियों से आग्रह किया कि वे अपने आवश्यक 'स्किल लेवल' की पहचान कर विभाग को सूचित करें। सरकार इन जरूरतों के आधार पर स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर कुशल कार्यबल उपलब्ध कराएगी, जिससे उद्योगों को श्रमिकों की कमी का सामना न करना पड़े और स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो।

निरंतर सहयोग मिल रहा

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में वर्ष 2025 को 'उद्योग वर्ष' के रूप में मनाया गया है जिसका मुख्य केंद्र स्थानीय उद्यमियों और युवाओं को नए अवसर प्रदान करना था। श्री काश्यप ने कहा कि फेडरेशन ने उद्योगपतियों के हित में शासन के कार्यों में निरंतर सहयोग किया है। साथ ही उन्होंने उद्यमियों से गुणवत्ता और निरंतरता बनाए रखने का आग्रह किया, जिससे वैश्विक बाजार में प्रदेश की साख और मजबूत हो सके।

मंत्री द्वय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष हिमांशु खरे एवं संयुक्त अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार पोरवाल और अखिलेश राठी को अंगवस्त्रम् भेंट कर नवनिर्वाचन का प्रमाण पत्र प्रदान किया और शुभकामनाएं दी। साथ ही निवृतमान अध्यक्ष दीपक शर्मा को अध्यक्षीय कार्यकाल के लिए शाल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

फेडेरेशन की ओर से अध्यक्ष खड़े ने मंत्रीद्वय को स्मृति चिन्ह भेंट किया। पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर.एस. गोस्वामी ने स्वागत उद्बोधन में फेडरेशन द्वारा प्रदेश में उद्योगों के विकास और विस्तार के प्रयासों के लिए सरकार की सराहना की। समारोह के दौरान अध्यक्ष दीपक शर्मा के कार्यकाल और उपलब्धियों पर आधारित वीडियो का प्रसारण किया गया।

नव नियुक्त अध्यक्षों ने संभाली कमान

पंकज जोशी, सत्येन्द्र भूषण सिंह और प्रभुदयाल कुशवाह ने किया पदभार ग्रहण

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल की उपस्थिति में मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष पंकज जोशी, लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह, मध्यप्रदेश कुश कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाह एवं मध्यप्रदेश खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश जादौन ने मंत्री प्रहलाद पटेल, रावउदय प्रताप सिंह, नारायण सिंह कुशवाह, चैतन्य काश्यप, इंदर सिंह परमार, गौतम टेटवाल, श्रीमती प्रतिमा बागरी सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं के साथ महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। ।

मध्यप्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष पंकज जोशी ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि देश की आत्मनिर्भरता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वदेशी विचार को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण अभियान है।

लघु उद्योगों को नई ऊर्जा देना हमारा लक्ष्य : सिंह- मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येन्द्र भूषण सिंह ने कहा कि लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को मजबूत बनाकर ग्रामीण एवं शहरी उद्यमियों को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता रहेगी।

वहीं मध्यप्रदेश कुश कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाह ने कहा की बोर्ड का प्राथमिक लक्ष्य कुश समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उनका आर्थिक व शैक्षणिक उत्थान करना है।

सम्मानः काटजू अस्पताल में नर्सेस डे पर सम्मान समारोह आयोजित

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए नर्सिंगकर्मी सम्मानित

भोपाल (नगर संवाददाता)

डॉ. कैलाशनाथ काटजू मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान में अंतरराष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर नर्सिंग कर्मियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली नर्सिंग अधिकारियों और परिचारिका कर्मियों को सम्मानित किया गया, वहीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए कार्यक्रम को यादगार बनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ चिकित्सकों और अधिकारियों ने नर्सिंग कर्मियों के योगदान को सराहते हुए कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका सबसे अहम कड़ी है।

नोडल अधिकारी ने बढ़ाया उत्साहः संस्थान की नोडल अधिकारी डॉ रचना दुबे ने कहा कि नर्सिंग कर्मी हर परिस्थिति में मरीजों के साथ खड़े रहते हैं और उनकी प्रतिबद्धता स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तय करती है।

गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा समारोहः नर्सिंग कर्मियों ने गीत, संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

भोपाल समेत प्रदेशभर में अधिवक्ताओं में उत्साह, 122 प्रत्याशी मैदान में

मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव के लिए हुआ मतदान

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के निर्वाचन के लिए मंगलवार को प्रदेशभर में मतदान कराया गया। राजधानी भोपाल में जिला न्यायालय परिसर में सुबह 10 बजे से मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई, जो शाम 5 बजे तक चली। इस चुनाव में प्रदेशभर से कुल 122 प्रत्याशी मैदान में हैं। भोपाल से भी कई वरिष्ठ अधिवक्ता चुनाव लड़ रहे हैं। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत परिषद में 18 पुरुष और 7 महिला सदस्यों का चयन किया जाएगा। चुनाव को देखते हुए प्रदेश के सभी न्यायालयों में अवकाश घोषित किया गया। न्यायिक अधिकारी और कर्मचारियों ने मतदान प्रक्रिया में सहयोग किया। मतदान अधिकारी मनोहर लाल पाटीदार के निर्देशन में पूरी प्रक्रिया संचालित की गयी।

जानकारी के अनुसार प्रदेशभर में करीब 88 हजार अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मुख्य मतदान अधिकारी मनोहर लाल पाटीदार ने बताया कि चुनाव सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में कराया गया। निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए हाई पावर कमेटी का गठन भी किया गया था। भोपाल में निर्वतमान को-चेयरमैन विजय चौधरी, पूर्व को-चेयरमैन मो. महबूब अंसारी, राजेश व्यास, पीसी कोठारी और चन्द्रकुमार वलेजा सहित कई प्रत्याशी चर्चा में हैं। मतदान के लिए अधिवक्ताओं को राज्य अधिवक्ता परिषद अथवा जिला बार संघ द्वारा जारी पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य किया गया था। बिना पहचान पत्र किसी को मतदान की अनुमति नहीं दी गई थी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)